डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26
बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

दीपावली की शुभकामनाएं

भोपाल, रविवार, 08 नवंबर 2026 | कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी- अमावस्या, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 122 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए



शुभ दीपावली

शुभ दोपहर मेट्रो लाभ



पूजन मुहूर्त

प्रदोष काल के साथ वृषभ लग्न सर्वश्रेष्ठ है। यह सभी के लिए श्रेष्ठ...

प्रदोष काल
सायं 5:41 से 8:17
वृषभ लग्न
सायं 6:09 से 8:07
गृहस्थ
शुभ-अमृत : सायं 5:49 से 8:59
नौकरीपेशा
अभिजीत: प्रात: 11:46 से 12:34
विद्यार्थी
शुभ: दोपहर 1:35 से 2:58
साधक व श्रद्धालु
प्रदोष काल : सायं 5:41 से 8:17
व्यापारी
वृषभ लग्न : सायं 6:09 से रात्रि 8:07
किसान
लाभ : प्रात: 9:40 से 11:10

लक्ष्मी पूजा के दिन किन गलतियों से बचना चाहिए?

- पूजा स्थल और घर को गंदा या अव्यवस्थित न रखें। पूजन से पहले साफ-सफाई कर लें।
- खंडित या टूटी हुई मूर्तियों को नियमित पूजा में स्थापित करने से बचें।
- पूजा के दौरान मन में क्रोध, ईर्ष्या और नकारात्मक विचार न लाएं।
- देवी-देवताओं को बासी फूल और खराब भोग अर्पित न करें।
- पूजा के समय जल्दबाजी न करें और बीच में बार-बार उठने से बचें।
- मां लक्ष्मी की आराधना के साथ भगवान गणेश का पूजन करना न भूलें।
- दीपक जलाते समय सुरक्षा का ध्यान रखें। उन्हें पर्दों और ज्वलनशील वस्तुओं के पास न रखें।
- पूजा के बाद प्रसाद का अपमान न करें और परिवार के सदस्यों में श्रद्धापूर्वक वितरित करें।

मां लक्ष्मी की पौराणिक कथा

पुराने समय में एक साहूकार की बेटी रोज पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाती थी। उस पेड़ में मां लक्ष्मी का वास था। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर एक दिन लक्ष्मी जी ने उसे अपनी सहेली बना लिया। कुछ समय बाद मां लक्ष्मी ने उसे अपने घर भोजन पर बुलाया और खूब आदर-सत्कार किया। जाते समय उन्होंने साहूकार की बेटी से कहा कि वह भी एक दिन उसके घर आएंगी। यह सुनकर बेटी चिंतित हो गई कि वह मां लक्ष्मी का स्वागत कैसे करेगी। पिता की सलाह पर उसने घर को साफ-सुथरा सजाया और प्रेम से भोजन तैयार किया। जब मां लक्ष्मी उसके घर पहुंचीं, तो उन्होंने सादगी से जमीन पर बैठकर भोजन किया और परिवार के प्रेम व श्रद्धा से प्रसन्न होकर घर को धन-धान्य और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। मां लक्ष्मी से प्रार्थना है कि जिस प्रकार उन्होंने साहूकार की बेटी पर कृपा बरसाई, उसी प्रकार सभी भक्तों के घर में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखें।

पहले गणेश पूजन फिर लक्ष्मी पूजा



हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से करने का विधान है। उन्हें प्रथम पूज्य और विघ्नहर्ता कहा जाता है। इसलिए दीपावली पर भी सबसे पहले भगवान गणेश का आवाहन और पूजन करना चाहिए। इसके बाद मां लक्ष्मी की आराधना करें। मान्यता है कि गणेश जी की पूजा करने से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और मां लक्ष्मी की कृपा से धन-धान्य तथा वैभव की प्राप्ति होती है। इस बार शुक्रादित्य और बुधादित्य योग के संयोग से मिलकर भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा विधि-विधान से करना वैभव और ऐश्वर्य का प्रतीक माना गया है। इस दिन दान-पुण्य करने से धन की वृद्धि होती है।

खुशहाली का प्रतीक माना जाता है दीपक

दीपावली की रात मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना की जाती है। मान्यता है कि इस दिन दीपों से सजे घर में मां लक्ष्मी का स्वागत होता है। भक्त मुख्य द्वार, आंगन और पूजा स्थल पर दीपक जलाकर अपने घर को प्रकाशमय बनाते हैं। धार्मिक दृष्टि से दीपक की रोशनी समृद्धि, खुशहाली और शुभता का प्रतीक मानी जाती है। यही कारण है कि लक्ष्मी पूजन में दीप प्रज्वलित करने को विशेष महत्व दिया जाता है।

इन्हें अवश्य लाएं

दीपावली पर अष्टधातु, पीली कौड़ियां, कछुआ और श्रीयंत्र को स्थापित करने का विशेष धार्मिक और वास्तु महत्व है।

1. अष्टधातु आठ ग्रह - सकारात्मक ऊर्जा का संतुलन अग्नि पुराण और शारदा तिलक में अष्टधातु को पवित्र और ऊर्जा-वाहक माना गया है। यह घर में शुभता और सामंजस्य बनाए रखने का प्रतीक है।

2. पीली कौड़ियां - मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय देवी लक्ष्मी के साथ कौड़ियां भी प्रकट हुई थीं, इसलिए इन्हें लक्ष्मी का सहोदर माना जाता है। पूजा में 11 या 21 पीली कौड़ियां रखने से धन की स्थिरता की कामना की जाती है।

3. कछुआ - समुद्र मंथन में भगवान विष्णु ने कूर्म अवतार लेकर मंदराचल पर्वत को संभाला था। कछुआ धैर्य और स्थिरता का प्रतीक है। संदेश है कि जल्दबाजी के बजाय मजबूत आधार से ही स्थायी सफलता मिलती है।

4. श्रीयंत्र ब्रह्मांडीय - सौंदर्य लहरी और लक्ष्मी तंत्र में श्रीयंत्र को 'यंत्रराज' कहा गया है। इसमें 9 जुड़े हुए त्रिभुजों से 43 छोटे त्रिभुज बनते हैं। कूर्मपृष्ठ श्रीयंत्र को सकारात्मक ऊर्जा को केंद्रित करने वाला प्रतीक माना जाता है।

5. दक्षिणावर्ती शंख- मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय लक्ष्मी जी के साथ शंख का भी प्राकट्य हुआ, इसलिए इसे उनका सहोदर माना जाता है। शंख को घर में लक्ष्मी की स्थिरता और शुभ ऊर्जा से जोड़ा जाता है। इसकी ध्वनि को वातावरण की शुद्धता और सकारात्मकता से भी जोड़ा जाता है।

यह सात संकेत जो घर में देंगे सुख-समृद्धि और खुशहाली

दीपावली के दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करने पर सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है। वहीं, शकुन शास्त्र में भी दीपावली के दिन दिखाई देने वाले कुछ जीवों को शुभ संकेतों से जोड़कर देखा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन जीवों का अचानक नजर आना जीवन में धन, तरक्की और सौभाग्य के आगमन का प्रतीक हो सकता है। आइए जानते हैं कि दिवाली के दिन किन 7 जीवों का दिखना शुभ माना जाता है।

रात में उल्लू दिखना

उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन बताया गया है। शकुन शास्त्र के अनुसार, उल्लू का नजर आना घर में सुख-समृद्धि आने और आर्थिक स्थिति मजबूत होने का संकेत हो सकता है। मान्यता है कि दिवाली की रात उल्लू दिखना विशेष रूप से सौभाग्यशाली होता है। इसे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने से जोड़कर भी देखा जाता है।

छछूंदर का नजर आना

दिवाली के दिन छछूंदर दिखाई देने को भी शुभ शकुन माना गया है। धार्मिक और प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, छछूंदर का दिखना आर्थिक परेशानियां दूर होने और धन से जुड़े मामलों में अनुकूलता आने का संकेत देता है। ऐसा माना जाता है कि यह जीव जीवन में तरक्की और नए अवसरों का प्रतीक हो सकता है।

छिपकली दिखना

शकुन शास्त्र में दिवाली के अवसर पर छिपकली का दिखाई देना भी शुभ माना जाता है। खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के दौरान यदि घर की दीवार पर छिपकली नजर आ जाए, तो इसे सकारात्मक संकेत माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह मां लक्ष्मी की प्रसन्नता और घर में सुख-शांति बने रहने का प्रतीक हो सकता है।

बिल्ली का घर आना

दीपावली के दिन बिल्ली का दिखाई देना या अचानक घर में आ जाना भी शकुन शास्त्र में शुभ संकेत माना गया है। मान्यता है कि इससे घर में सौभाग्य और सकारात्मकता का आगमन हो सकता है। हालांकि, दिवाली के दिन बिल्ली का रोना अच्छा शकुन नहीं माना जाता। इसे लेकर अलग-अलग धार्मिक धारणाएं प्रचलित हैं।

गाय का दिखाई देना

हिंदू धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। ऐसे में दिवाली के शुभ अवसर पर गाय का दिखना देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलने का संकेत माना जाता है। इसे जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक बदलावों से जोड़कर देखा जाता है।

काली चींटियों का झुंड दिखना

दीपावली के दिन यदि घर में काली चींटियों का समूह दिखाई दे, तो इसे भी शुभ शकुन माना जाता है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, काली चींटियों का झुंड नजर आना धन-संपत्ति में बढ़ोतरी और आर्थिक स्थिति में सुधार का संकेत हो सकता है।

तोते का दिखाई देना

दिवाली के दिन तोते का नजर आना भी शुभ माना गया है। शकुन शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, तोते का दिखना धन लाभ और आर्थिक उन्नति का संकेत हो सकता है। इसे आने वाले समय में खुशहाली, तरक्की और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है।

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

दीपावली की शुभकामनाएं

भोपाल, रविवार, 08 नवंबर 2026 | कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी- अमावस्या, 2083 | dopaharmetro epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 122 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

अब पछताए होत का जब चिड़िया चुग गई खेत...!



प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सूसी वेल्स को हटाकर स्टीफन मिलर को अपना चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त करके आखिर क्या संदेश दिया है? अपनी राजनीतिक फजीहत के बाद व्हाइट हाउस में सनातनी हिंदुओं का त्योहार दीपावली दो दिन पहले मनाकर उन्होंने कौन-सा तीर मार लिया? अब पछताए होत का जब चिड़िया चुग गई खेत! या यूं कहें कि सब कुछ लुटाकर होश में आए तो क्या किया! ट्रंप अपनी गलतियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने के लिए आज भी आमादा हैं। पारिवारिक मोह और निजी जिद के चलते लिए गए फैसलों पर उनके भीतर कोई आत्ममंथन दिखाई नहीं देता। किसी शायर ने ठीक ही कहा है–

मेरी तबाही का बस इतना है सबब,
मुझे तो लूटा है खुदा, मेरी जिदों ने!

अब एक पराजित योद्धा के लिए इससे अधिक कठोर टिप्पणी और क्या हो सकती है? ट्रंप का राजनीतिक चरित्र



कभी तोल और कभी माशा वाला रहा है। उनके फैसलों में स्थिरता, दूरदर्शिता और परिस्थितियों से सीखने की इच्छाशक्ति का अभाव बार-बार दिखाई दिया है।

मुझे इस बात की कोई खुशी नहीं है कि अमेरिका में डेमोक्रेट्स की जीत हुई और उनके साथ खड़े वामपंथी विचारों को राजनीतिक मजबूती मिली। असल सवाल तो यह है कि अपनी विचारधारा और राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट (AFPI) ने ट्रंप जैसे विवादास्पद और अप्रत्याशित व्यक्तित्व को ही अपना चेहरा क्यों बनाया? उसके पास जेडी वेंस जैसे विकल्प भी थे, जिन्हें अपेक्षाकृत संयमित और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने वाले नेता के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता था। ट्रंप की दूसरी पारी के शेष दो साल किस तरह गुजरेंगे, इसकी गवाही तो भविष्य ही देगा। लेकिन उनकी इस पारी को इस बात के लिए जरूर याद किया जाएगा कि गलत सोच, पारिवारिक मोह, आत्ममुग्धता और समय रहते अपनी गलतियों को नहीं सुधारने की कीमत किसी भी ताकतवर नेतृत्व को चुकानी पड़ सकती है। सूसी वेल्स की जगह स्टीफन मिलर को लाना भी इसी संदर्भ में देखने की जरूरत है।

मिलर ट्रंप की कठोर आव्रजन नीतियों के प्रमुख सूत्रधार रहे हैं। ऐसे समय में जब मतदाताओं ने उनकी नीतियों के खिलाफ जनादेश दिया है, उसी सोच के प्रतिनिधि को प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना सुधार का संकेत नहीं, बल्कि अपनी पुरानी रणनीति पर और अधिक आक्रामक ढंग से आगे बढ़ने का संकेत देता है।

भारत में कांग्रेस के लिए भी आत्ममंथन का अवसर

यह घटनाक्रम भारत में सत्ता के मोहपाश और वामपंथी विचारधारा के घोड़े पर सवार गांधी परिवार की कांग्रेस के लिए भी आत्ममंथन का अवसर है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि राजनीतिक पराजय से बाहर निकलने के लिए केवल नारों, आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों का सहारा पर्याप्त नहीं है। उन्हें अपने आसपास ऐसे सलाहकारों और सहयोगियों को रखना होगा, जो जमीनी हकीकत से रूबरू कराएं और बिना किसी लाग-लपेट के अपनी बात कहने का साहस रखते हों। सवाल यह है कि नेतृत्व को सच बताने वाले लोग चाहिए या फिर उसकी हर बात पर हामी भरने वाले चापलूसों की टोली? ट्रंप की राजनीतिक दुर्गति से कांग्रेस और उसके नेतृत्व को सबक लेना चाहिए। क्योंकि जब सलाहकार हकीकत छिपाने लगें, नेतृत्व अपनी जिद को ही विचारधारा समझने लगे और गलतियों को स्वीकार करने की इच्छाशक्ति समाप्त हो जाए, तब पराजय केवल चुनावी नतीजा नहीं रहती, वह राजनीतिक नियति बन जाती है।

ट्रंप के सामने आज यही सबसे बड़ी चुनौती है। और भारतीय राजनीति के कुछ नेताओं के सामने भी यही सवाल खड़ा है।

न्यूज विंडो

अंडर-19 एशिया कप...भारत के 6 विकेट पर 160 रन



अल अमीरात, एजेंसी। अंडर-19 एशिया कप में आज भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अर्जुन राजपूत ने शतक लगा दिया है। उनकी सेंचुरी की बदौलत भारत ने 32 ओवर के बाद 6 विकेट पर 160 रन बना लिए हैं। अर्जुन ने मुश्किल में फंसी भारतीय पारी को संभाला। उनसे पहले कप्तान लक्ष्य रायचंदानी, वीके विनीत, यशवर्धन चौहान, आर्यवीर सहवाग, अन्वय द्रविड़ और मनल चौहान आउट हो चुके हैं।

जापान में देर रात आया 5.7 तीव्रता का भूकंप, 22 घायल

टोक्यो, एजेंसी। जापान में देर रात 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें कम से कम 22 लोग घायल हो गए। कई दुकानों के शीशे टूट गए। भूकंप के तेज झटकों से लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर भागने लगे। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र शिजुओका प्रांत में जमीन के 40 किमी नीचे था, जबकि सबसे तेज झटके आइची प्रांत में महसूस किए गए। यह महीने जापान में आया तीसरा तेज भूकंप है। इससे 1 नवंबर को 6 तीव्रता और 7 नवंबर को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

पीओके के पूर्व राष्ट्रपति का निधन इस्लामाबाद में ली अंतिम सांस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के पूर्व राष्ट्रपति राजा मोहम्मद जुलकरनैन खान का निधन हो गया है। वह 93 वर्ष के थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने शनिवार को इस्लामाबाद के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह कुछ समय से बीमार थे। उनके निधन पर आज पीओके में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। अधिकारियों ने उनके पैतृक शहर कासगुमा में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री बोले - यहां नक्सली आतंक खत्म, अब सिर्फ विकास की बहार

जहां था लाल आतंक वहां दीपोत्सव जवानों के बीच बस्तर पहुंचे मोदी

रायपुर, एजेंसी

कभी नक्सलवाद के खौफ और हिंसा के लिए पहचाने जाने वाले छत्तीसगढ़ के बस्तर में इस बार दीपावली का पर्व एक अलग संदेश लेकर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बस्तर पहुंचे, जहां उन्होंने सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दीपावली मनाई। उनका यह दौरा आतंक से शांति और भय से विकास की ओर बढ़ते बस्तर की बदलती तस्वीर का प्रतीक बना।

जवानों के बीच पीएम ने कहा, हर जवान मेरा परिवार है। यहां नक्सली आतंक खत्म होने के बाद विकास की बहार है। सभी जवान मेरे परिवार का हिस्सा हैं। इस बार मैं बस्तर के जंगलों में आपके साथ दिवाली मनाने आया हूं। यह वही इलाका है, जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था। आपके बलिदान और समर्पण की वजह से अब इस इलाके से नक्सलवाद खत्म हो गया है और यहां विकास की नई लहर शुरू हुई है।'

पीएम ने कहा, अगर आप 2004 से 2013 तक के आंकड़े देखें, तो पाएंगे कि हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा बहादुर जवान शहीद हुए। दुर्भाग्य से उस समय की सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है और इसे ऐसे ही छोड़ दिया था। माओवादी आतंक और नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई आसान नहीं थी। नक्सलियों ने लोगों से



वोट डालने का अधिकार तक छीन लिया था। एक साल में नक्सली हमलों की संख्या 2,000 तक पहुंच गई थी। मोदी ने कहा, '2026 की दिवाली बेहद खास है।

12 साल से सुरक्षा बलों के साथ दीपावली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में पद संभालने के बाद से जवानों के बीच दीपावली मनाने की परंपरा जारी रखी है। उन्होंने 2014 में सियाचिन, 2015 में अमृतसर, 2016 में सुमदो, 2017 में गुरेज घाटी, 2018 में हर्षिल, 2019 में राजौरी, 2020 में जैसलमेर के लोंगेवाला, 2021 में नौशेरा, 2022 में कारगिल, 2023 में हिमाचल के लेप्चा, 2024 में गुजरात के कच्छ और 2025 में समुद्री क्षेत्र में तैनात नौसैनिकों के बीच दीपावली मनाई।

40-50 साल बाद ऐसी दिवाली आई है। यह पहली दिवाली है, जब देश ने नक्सलवाद और माओवादी आतंक के खिलाफ दशकों से चल रही लड़ाई में जीत हासिल की है।' 'यह पहली दिवाली है, जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। करोड़ों देशवासियों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है और इसका काफी श्रेय सुरक्षा बलों के जवानों को जाता है। यह उपलब्धि आप जैसे लाखों बहादुर पुरुषों और महिलाओं, हमारे सैनिकों और सुरक्षा बलों के जवानों की है। इसलिए मैं आज आपके साथ दिवाली मनाने यहां आया हूं।' 'आज देशभर और दुनिया के हर कोने में करोड़ों भारतीय रोशनी का यह पावन त्योहार मना रहे हैं। लोग दूर-दूर से अपने घर लौट रहे हैं।

देवास शराब कांडः कांग्रेस ने राहुल जायसवाल को किया निष्कासित

भोपाल। प्रदेश के देवास शराब कांड मामले में आरोपी राहुल जायसवाल को कांग्रेस संगठन ने बाहर का रास्ता दिखाया है। देवास के खातेगांव टीआई को गाड़ी से कुचलने के मामले में संलिप्तता के बाद एक्शन लिया गया है। कांग्रेस ने तीन नवंबर को यह आदेश जारी किया था, लेकिन अब निष्कासन का पत्र सामने आया है। 2 नवंबर की रात हरदा-नेमावर हाईवे पर ट्रक में अवैध शराब भरकर गुजरात ले जाई जा रही थी। चेकिंग के दौरान ट्रक का पिछला पहिया खातेगांव टीआई दिलीप पुरी के ऊपर से गुजर गया। जिससे उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी।



इंडिगो फ्लाइट को हाईजैक की धमकी, वापस लौटा विमान

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई-451 को हाईजैक की धमकी मिली। क्रू मेंबर्स ने फ्लाइट के टॉयलेट में धमकी वाला नोट देखा। जिसके बाद पायलट विमान को वापस बेंगलुरु ले आया। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर फुल इमरजेंसी घोषित की गई।

कूनो टीम ने किया रेस्क्यू

बानमोर इंडस्ट्रियल एरिया तक पहुंचा चीता, वीडियो वायरल होने से हड़कंप

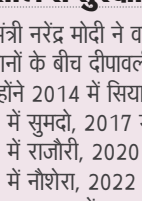
मुरैना। कूनो नेशनल पार्क से निकला चीता ग्वालियर के पास बानमोर औद्योगिक क्षेत्र तक पहुंच गया। समीप ही घना रिहायशी क्षेत्र है। इसका वीडियो वायरल होने के बाद लोग दहशत में आए गए। वायरल वीडियो में चीता फैक्ट्री एरिया में दौड़ता दिखाई दे रहा है। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। यह क्षेत्र दिल्ली-मुंबई हाईवे के करीब है, जहां वाहन तेज रफ्तार में चलते हैं, ऐसे में दुर्घटना की संभावना भी थी। कूनो की ट्रैकिंग टीम चीते को रेस्क्यू कर साथ ले गई।



बीजेपी का तंज

कांग्रेस के दिल में आज भी जिंदा है बाबर मस्जिद विध्वंस पर रोई थीं सोनिया गांधी

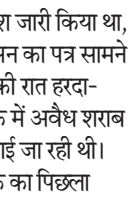
नई दिल्ली, एजेंसी। बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के एक बयान पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सोनिया गांधी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस को टेलीविजन पर देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। उनके इस बयान पर बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इससे पता चलता है कि बाबर तब भी कांग्रेस के दिल में था और आज भी वहीं है। बीजेपी ने सोनिया गांधी के उस दावे पर भी सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने घटना को टीवी पर देखने की बात कही है।



यूपी सीएम योगी बोले

अब रामभक्तों पर नहीं चलेंगी गोलियां श्रीराम बोलने पर नहीं चल सकेगा डंडा

अयोध्या, एजेंसी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलेंगी और जय श्रीराम बोलने पर कोई लाठी-डंडे नहीं चला सकेगा। योगी आज रामघाट हाल्ट के निकट निषाद बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे।प उन्होंने कहा पंचकोसी, 14 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा पर भी कोई प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा। यह हम सबके संकल्प का प्रतीक बनना चाहिए। अयोध्या के वैभव को लूटने और बदनाम करने की कुदृष्टि नहीं पड़ने देंगे। सभी संकल्प लें कि आने वाले समय में हमारी अयोध्या पर किसी मंथरा और मारीच की कुदृष्टि न पड़े।



आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

स्वच्छता, रिसाइक्लिंग और महिला रोजगार को बढ़ावा देने की पहल

ये है भोपाल का अनूठा कैफे...कचरे के बदले चाय-कॉफी और नाश्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कचरे को कमाई का जरिया बनाने वाली एक अनोखी पहल भोपाल के लोगों का ध्यान खींच रही है। यहां घरों में बेकार पड़े पुराने अखबार, प्लास्टिक, किताबें और दूसरे रिसाइकिल होने वाले सामान को फेंकने के बजाय उनसे खाने-पीने की चीजें और जरूरत का सामान हासिल किया जा सकता है। इस पहल का नाम 'कचरा कैफे' है, जिसका उद्देश्य शहर में स्वच्छता बढ़ाने के साथ लोगों को कचरे के सही निपटान के लिए प्रोत्साहित करना है। इस कैफे में केवल प्लास्टिक ही नहीं, बल्कि कई तरह का घरेलू कचरा स्वीकार किया जाता है। इसमें पुराने अखबार, किताबें, कागज, गत्ते के डिब्बे, ई-वेस्ट और पुराने कपड़े जैसी चीजें शामिल हैं।

गृहिणी अंजिता सभलोक ने इसकी शुरुआत की है। कैफे में लोगों को मिलने वाले पॉइंट्स का इस्तेमाल खाने-पीने की चीजों के अलावा रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार कपड़े के बैग, सजावटी सामान और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कैफे का मॉडल काफी दिलचस्प है। यहां लोग घरों से इकट्ठा किया गया सूखा कचरा लेकर पहुंचते हैं। सामान का वजन और उसकी श्रेणी जांचने के बाद उसके बदले पॉइंट्स या कचरा करेंसी दी जाती है। इन पॉइंट्स का इस्तेमाल करके लोग कैफे से भोजन, चाय-कॉफी और अन्य उपलब्ध चीजें ले सकते हैं.

इस व्यवस्था से घरों में जमा बेकार सामान को उपयोगी संसाधन में बदलने का मौका मिलता है। खास बात यह है कि जरूरतमंद लोग भी कचरा जमा करके उसके बदले भोजन हासिल कर सकते हैं। इससे स्वच्छता के साथ सामाजिक मदद को भी बढ़ावा मिलता है। भोपाल में इस पहल की शुरुआत 10 नंबर मार्केट से हुई थी। इसके बाद बोट क्लब और बिट्टन मार्केट जैसे स्थानों पर भी कचरा कैफे शुरू किए गए। नगर निगम की इस पहल का मकसद लोगों की रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाना और कचरे को संसाधन के रूप में देखने की सोच विकसित करना है।

महिलाओं को रोजगार देने पर जोर

इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है. स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कैफे के संचालन और उपयोगी उत्पाद तैयार करने जैसे कामों में भागीदारी करती हैं। इससे उन्हें रोजगार के अवसर मिलते हैं और स्थानीय स्तर पर तैयार सामान को बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलती है। कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में इकट्ठा करने से रिसाइक्लिंग की प्रक्रिया भी आसान हो सकती है। इससे प्लास्टिक और दूसरे रिसायकिल होने योग्य पदार्थों को सामान्य कूड़े के साथ फेंकने से बचाया जा सकता है।



खुशियों का दीप

भारत त्योहारों और उत्सवों की भूमि है। यहाँ प्रत्येक पर्व अपने साथ कोई न कोई संदेश, परंपरा और जीवन-मूल्य लेकर आता है। दीपावली ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। यह केवल दीप जलाने और मिठाइयाँ बाँटने का त्योहार नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, प्रेम, सद्भाव और मानवता का प्रकाश फैलाने का अवसर भी है।

दीपावली का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर तथा रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने दीप जलाए थे। तभी से दीपावली मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। जैन धर्म में यह भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में तथा सिख धर्म में बंदी छोड़ दिवस के रूप में भी विशेष महत्व रखती है। इस प्रकार यह पर्व भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता का परिचायक है।

वर्तमान समय में दीपावली का स्वरूप काफी बदल गया है। पहले जहाँ मिट्टी के दीये, घरों की सजावट और पारिवारिक मिलन इस त्योहार की पहचान थे, वहीं आज बाजारवाद और दिखावे ने भी इसमें अपनी जगह बना ली है। महँगे उपहार, आतिशबाजी और अनावश्यक खरीदारी के कारण त्योहार का मूल उद्देश्य कहीं-कहीं पीछे छूटता दिखाई देता है। इसके साथ ही पटाखों से होने वाला वायु और ध्वनि प्रदूषण पर्यावरण तथा जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को इससे परेशानी होती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम दीपावली को परंपरा और आधुनिक जिम्मेदारी के संतुलन के साथ मनाएँ। मिट्टी के दीये जलाएँ, स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन दें, जरूरतमंदों के साथ खुशियाँ बाँटें और पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाएँ। स्थानीय कुम्हारों तथा छोटे व्यापारियों से खरीदारी करके हम उनके जीवन में भी खुशियों का दीप जला सकते हैं। दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल घरों को रोशन करना नहीं, बल्कि मन के अज्ञान, ईर्ष्या, द्वेष और अहंकार रूपी अंधकार को दूर करना है। यदि इस अवसर पर हम अपने भीतर प्रेम, करुणा, सहिष्णुता और भाईचारे का दीप प्रज्वलित करें, तो समाज में वास्तविक उजाला फैलेगा। अतः दीपावली को केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं का पर्व बनाना समय की माँग है। आइए, इस दीपावली संकल्प लें कि हम अपने जीवन के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी प्रकाश फैलाएँगे। यही दीपावली की सच्ची सार्थकता और सबसे बड़ा संदेश है।

दीपावली विशेष-

दीपावली- मन को जीवन मूल्यों से प्रकाशित करने का महापर्व

भूपेन्द्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार



प्रकाश का पर्व दीपावली सत्य, धर्म, अच्छाई एवं सदाचार का संदेश देती है। इस पर्व पर हमें प्रेम और समरसता के सूत्रों को सुदृढ़ करना चाहिए। जैसे दीयों की पंक्ति मिलकर संपूर्ण वातावरण को प्रकाशित करती है, वैसे ही संपूर्ण मानव समाज श्रीराम के आदर्श मूल्यों से अपने मनों को प्रकाशमान करे...

दीपावली का पर्व सिखाता है कि राम-राज्य की स्थापना अपने आचरण में त्याग, प्रेम, न्याय एवं समानता को स्थापित करने से ही संभव है। जब तक हम श्रीराम द्वारा निर्मित मूल्यों का अनुसरण करते रहेंगे, तब तक दीपपर्व का यह प्रकाश हमारे जीवन एवं समाज में सौहार्द्र का सूत्र बनकर उजाला करता रहेगा। दीपावली के अवसर पर लोगों द्वारा दीप प्रज्वलित करने एवं फुलझड़ी-पटाखे चलाने के पीछे एक गहन दार्शनिक एवं सामाजिक भाव है, जो श्रीराम के जीवन दर्शन से संबद्ध है। दीप प्रकाश का प्रतीक है। श्रीराम का अयोध्या आना केवल एक राजा की वापसी नहीं थी, यह अंधकार (अधर्म) पर प्रकाश (धर्म) की निर्णायक विजय थी। प्रत्येक दीप उस न्याय, त्याग एवं सत्य का प्रतीक है, जो राम ने अपने वनवासकाल में स्थापित किए। लोग दीप प्रज्वलितकर उस शांति, निर्भयता, मांगलिकता एवं समृद्धि के आगमन का उल्लास मनाते हैं, जो राम-राज्य का प्रतीक थीं। दीपावली का पर्व हमें याद दिलाता है कि जिस प्रकार श्रीराम ने समाज विध्वंसक असुरों का संहार किया, उसी प्रकार हमें अपने मन-मस्तिष्क में स्थापित राक्षस रूपी अज्ञान, ईर्ष्या, दुराचार, दुर्विचारों को पराजित करना है। दीप प्रज्वलित करना आत्म-निरीक्षण एवं सद्गुण, सद्कर्म, सद्विचारों के विकास का आध्यात्मिक आह्वान है। पटाखों की ध्वनि एवं फुलझड़ियों की रंगीन चमक भय एवं आतंक के समाप्त होने के उल्लास का प्रदर्शन है। जिस समाज को राम ने चहुओर दुराचरणों से भयभीत करने वाले अमानुषों, अपराधियों से उऋण कराया था, उस समाज की मुक्ति का प्रचंड आनंद आतिशबाजी के रूप में अभिव्यक्त होता है। यह उस सुख-शांतिपूर्ण जीवन की पुर्नस्थापना का राजकीय स्वागत है।



जब-जब होहि धरम हानि। बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी।।
तब-तब प्रभु धरि विविध शरीरा। हरहिं कृपानिधि सज्जन पीरा।।

धरती पर जब-जब धर्म का नाश होने लगता है, मनुष्य अपने धर्म से दूर हो, अधर्म का मार्ग अपनाने लगता है, समाज में दुराचारी बढ़ जाते हैं, तब-तब ईश्वर किसी न किसी रूप में प्रकट होकर जन-पीड़ाओं को दूर करते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में श्रीराम का जीवन इसका प्रतीक है।

'दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज्य काहुहे नहिं व्यापा।।'

रामचरितमानस की यह चौपाई भगवान श्रीराम द्वारा निर्मित उस स्वर्णिमकाल का उद्घोष है, जिसमें दैहिक, दैविक एवं भौतिक तीनों प्रकार के कष्टों से मुक्त जीवन था। यह चौपाई श्रीराम के आदर्श शासन (रामराज्य) का वर्णन करती है, जिसमें सभी मनुष्य परस्पर प्रेम करते थे तथा अपने-अपने धर्म का पालन करते थे। दीपावली का उत्सव, भगवान श्रीराम के लंका पर विजयोपरांत अयोध्या आगमन की केवल एक घटना मात्र नहीं है, बल्कि यह उस युग-परिवर्तन का सार्वकालिक अनुमोदन है, जहां अधर्म के अंधकार का उन्मूलन तथा धर्म, न्याय, बंधुत्व, समानता का प्रकाश पुर्नस्थापित हुआ। यह पर्व उन समस्त दुष्ट-दुराचारियों पर सज्जनता की विजय एवं भयमुक्त जीवन की पुनर्स्थापना का प्रतीक है, जिसके लिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने बारह वर्ष के वनवासकाल में धरती के विस्तृत भू-भाग को राक्षसविहीन किया। तत्कालीन समाज को भय एवं अत्याचार-मुक्त कर एक सौहार्द्रमय एवं सुख-शांतिपूर्ण जीवन मार्ग प्रशस्त किया। सनातनधर्मी अपने जीवन के इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर अपने अपार हर्ष, उल्लास, आनंद, मंगल भावों को व्यक्त करते हैं।

भगवान श्रीराम का वनगमन कोई साधारण प्रवास नहीं था। यह पृथ्वी लोक को दुराचारियों, अपराधियों से उऋण करने का एक विराट अभियान था। धर्म की रक्षा एवं जन-जन को निर्भय जीवन प्रदान करने के लिए श्रीराम का राजपाट त्यागकर जाना सुनिश्चित था। उन्होंने केवल रावण का ही संहार नहीं किया, उसके सहयोगी एवं समाज में अत्याचार व्याप्त करने वाले सभी बलशाली अमानुषों का संहार किया। श्रीराम ने अपने बाल्यकाल में ही ताड़का जैसी दुष्ट राक्षसी का वध कर महर्षि विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा के साथ संदेश दिया कि अधर्म कहीं भी हो, उसे समाप्त किया जाएगा। सुबाहु का वध कर उन्होंने ऋषि-मुनियों के लिए निर्बाध तपस्या का वातावरण दिया, जो समकालीन समाज की आध्यात्मिक एवं शैक्षिक उन्नति के लिए अपरिहार्य था।

वनवास के आरंभकाल में राम ने दंडकारण्य के विशाल क्षेत्र को अनेक राक्षसों के आतंक से मुक्त कराया। यह वह भू-भाग था, जहां ऋषि-मुनि सहित सामान्य जन भयभीत होकर जी रहे थे। दंडकारण्य में श्रीराम का सर्वप्रथम सामना सीताजी का हरण करने वाले राक्षस विराध से हुआ। श्रीराम-लक्ष्मण ने मिलकर विराध का वध किया। इसी प्रकार खर-दूषण जैसे शक्तिशाली राक्षसों का संहार कर इस क्षेत्र को राक्षसविहीन किया। पंचवटी में खर-दूषण का संहार तत्कालीन समय में एक बड़ी विजय थी, जिसने संपूर्ण मध्य भारत के वनवासी समाज में निर्भयता का संचार किया। कबंध जैसे वीभत्स राक्षस का उद्धार करना एवं किष्किंधा के अत्याचारी राजा बाली का वध करना, श्रीराम की न्यायप्रियता तथा धर्म-स्थापना की व्यापकता को दर्शाता है। बाली का वध कर उन्होंने उसके भाई सुग्रीव को राजपाट सौंपा एवं न्याय के साथ मित्रता के आदर्श को स्थापित किया। श्रीराम ने न केवल दुराचारियों का नाश किया, बल्कि वहीं के सज्जनों को राजपाट सौंपकर उन्हें सुख-चैन से जीने का अवसर दिया। श्रीराम ने अपने वनवासकाल में पृथ्वी के बड़े भूभाग पर विजय पाई, किंतु किसी की संपत्ति या राज पर अपना अधिकार नहीं जताया। यह उनका त्याग एवं निस्पृहता ही थी, जिसने उनके चरित्र को मर्यादा की पराकाष्ठा पर स्थापित किया। उन्होंने सब कुछ वहीं निवासरत लोगों को सौंपकर, केवल धर्म-स्थापना के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाया।

भगवान श्रीराम के गुणों में विशेष गुण है धैर्यवान या सहनशील होना। किसी भी इच्छा या अपेक्षा को शीघ्र ही पाने की ललक सदैव कार्य बिगाड़ सकती है। यदि आपके अंदर धैर्य एवं सहनशीलता आ जाए, तो आपकी लक्ष्य प्राप्ति में कोई संदेह उत्पन्न नहीं हो सकता। भगवान श्रीराम की ही भांति प्रत्येक व्यक्ति में न केवल मानव, बल्कि जीव जगत के लिए दयालुता का भाव होना चाहिए। यह गुण छवि में निखार लाता है। श्रीराम एक राजा एवं कुशल प्रबंधक होते हुए भी सभी को साथ लेकर चले। उनके इसी गुण के कारण समुद्र में सेतु का निर्माण कर पाना संभव हो सका। भाई-बहनों के बीच नोक-झोंक होना एक सामान्य बात है। लड़ाई-झगड़े के बाद भी भाई-बहन के बीच आपसी प्रेम बना रहे, यह गुण भगवान श्रीराम से सीखना चाहिए। उनका अपने भाइयों के प्रति समर्पण एवं त्याग उन्हें एक आदर्श भाई के रूप में चित्रित करता है। हम सभी को भगवान श्रीराम से मित्रता का गुण सीखना चाहिए। क्योंकि उन्होंने मित्रता का संबंध भी पूरे मनोयोग से निभाया था। मित्रता निभाने के लिए श्रीराम ने स्वयं भी कई बार दुख-संकट झेले। केवट, सुग्रीव, निषादराज एवं विभीषण श्रीराम के असीम मैत्री भाव का प्रतिमान हैं।

भगवान श्रीराम का दृढ़-प्रतिज्ञ होने का गुण सभी को अपने जीवन में उतारना चाहिए। जो व्यक्ति दृढ़ निश्चय वाला होता है, वह अपने जीवन में हमेशा सफलता अर्जित करता है। श्रीराम की भांति प्रत्येक व्यक्ति को सदाचारी होना चाहिए। उन्हें सदाचरण के कारण ही मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। आपका अच्छा व्यवहार एवं आचरण ही आपको सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने में सहायता करता है। तदनुसार दीपावली के उल्लास को केवल प्रकाश का पर्व न बनाकर आत्मसंयम, अहंकार पर विजय एवं सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बनाना है। यह पर्व हमें सिखाता है कि असली उजाला अंतरमन की बुराइयों, व्यवहार की कुरीतियों को मिटाकर जीवन में कर्तव्य एवं प्रेम का दीपक प्रज्वलित करने से ही होता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दीपावली का उजाला प्रदूषण के अंधकार में न खो जाए

कुमार कृष्णन
स्तंभकार



दीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें प्रकाश, उल्लास, आत्मीयता और सामाजिक मेलजोल का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। घरों में दीप जलते हैं, आंगन में रंगोली सजती है, मंदिरों में पूजा होती है और लोग अपने मित्रों, रिश्तेदारों तथा बच्चों के बीच मिठाइयां और उपहार बांटकर खुशियां साझा करते हैं। दीपावली केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। लेकिन इस उत्सव का एक दूसरा पक्ष भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस पर्व का समापन प्रकाश और प्रसन्नता के साथ होना चाहिए, उसका एक बड़ा हिस्सा हम अपने पर्यावरण में धुआं, जहरीले कण और कचरा छोड़कर समाप्त करते हैं।



दीपावली के अवसर पर कई दिनों तक चलने वाली आतिशबाजी वातावरण की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। पटाखों से निकलने वाला धुआं केवल कुछ समय के लिए दिखाई देने वाला धुआं नहीं होता, बल्कि उसमें मौजूद सूक्ष्म कण और रासायनिक प्रदूषक मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। पटाखों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न रासायनिक पदार्थों के जलने से सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और धातुओं के सूक्ष्म कण वातावरण में पहुंचते हैं। इनके साथ पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक हवा में घुल जाते हैं। पीएम 2.5 के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि सांस के साथ फेफड़ों के भीतर गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक में प्रवेश कर सकते हैं। दीपावली के बाद अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता खराब होने और धुंध बढ़ने की समस्या सामने आती है। आतिशबाजी से निकले धुएं और पहले से मौजूद प्रदूषण के मिलने से वातावरण में प्रदूषकों का स्तर बढ़ सकता है। इसका असर केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी महसूस किया जाता है। पटना, दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरी क्षेत्रों में दीपावली के बाद हवा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। हवा में प्रदूषकों की अधिकता से दृश्यता कम होती है और सांस लेने में परेशानी बढ़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण का संबंध हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और श्वसन संक्रमण जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से है। दीपावली के दौरान प्रदूषण का तत्काल प्रभाव आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में कठिनाई और एलर्जी के रूप में दिखाई दे सकता है। दमा और ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों के लिए यह स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है। पहले से हृदय और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे लोगों को भी अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है। बच्चे, बुजुर्ग और नवजात शिशु इस प्रदूषण के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। बच्चों के फेफड़े विकसित होने की प्रक्रिया में होते हैं। ऐसे में प्रदूषित हवा उनके स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकती है। बुजुर्गों में पहले से मौजूद सांस और हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए दीपावली के नाम पर होने वाली आतिशबाजी को केवल व्यक्तिगत पसंद या मनोरंजन का विषय मानना उचित नहीं है। इसका असर उन लोगों पर भी पड़ता है, जो स्वयं पटाखे नहीं जलाते। आतिशबाजी से निकलने वाले रासायनिक पदार्थों में बेरियम, स्ट्रॉन्शियम, तांबा, एल्युमिनियम और अन्य धातुओं के यौगिक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। अलग-अलग पटाखों की रासायनिक संरचना अलग होती है। इनके जलने के बाद कुछ पदार्थ हवा में सूक्ष्म कणों के रूप में फैलते हैं और कुछ अवशेष जमीन पर जमा हो जाते हैं। बारिश या पानी के बहाव के साथ ये पदार्थ मिट्टी और जलस्रोतों तक पहुंच सकते हैं। इस तरह आतिशबाजी का असर केवल वायुमंडल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पर्यावरण के दूसरे घटकों को भी प्रभावित कर सकता है।

दीपावली खुशियों और प्रकाश का पर्व है। इसे प्रदूषण, बीमारी और दुर्घटनाओं का कारण बनाने से बचना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, इस अवसर पर पटाखामुक्त अथवा न्यूनतम आतिशबाजी वाली दीपावली का संकल्प लें। अपने मित्रों, रिश्तेदारों और समाज के दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। आखिरकार, दीपावली का असली प्रकाश आसमान में कुछ क्षणों के लिए चमकने वाली आतिशबाजी में नहीं, बल्कि उस संवेदना में है, जो मनुष्य को मनुष्य और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाती है।

आइए, दीप जलाएं, खुशियां बांटें, प्रदूषण नहीं।
दीपावली को सचमुच प्रकाशोत्सव बनाएं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हमेशा कमजोरी और घटता वजन, हो सकती है कोर्टिसोल हार्मोन की कमी



सुबह उठने के बाद भी थकान महसूस होना, दिनभर शरीर में कमजोरी बने रहना और बिना किसी कोशिश के वजन कम होते जाना ऐसी समस्याएं हैं, जिन्हें अक्सर लोग काम का दबाव, नींद की कमी या खानपान में गड़बड़ी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार इसके पीछे शरीर में एक जरूरी हार्मोन की कमी भी जिम्मेदार हो सकती है। इस हार्मोन का नाम है कोर्टिसोल, जिसे आमतौर पर तनाव का हार्मोन कहा जाता है। यह शरीर को तनाव से निपटने के साथ ऊर्जा उपलब्ध कराने, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कोर्टिसोल का निर्माण किडनी के ऊपर मौजूद एड्रिनल ग्रंथियों में होता है। यह शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। तनाव, बीमारी या चोट की स्थिति में शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा देने में इसकी अहम भूमिका होती है। इसके अलावा यह मेटाबॉलिज्म, रोग प्रतिरोधक क्षमता और शरीर में सूजन से जुड़ी प्रक्रियाओं को भी नियंत्रित करने में मदद करता है। इसका स्तर दिनभर बदलता रहता है। सामान्यतः सुबह इसका स्तर अधिक और रात में कम होता है।

जब एड्रिनल ग्रंथियां पर्याप्त मात्रा में कोर्टिसोल नहीं बना पातीं, तो इस स्थिति को एड्रिनल इनसफिशिएंसी कहते हैं। इसका एक प्रमुख कारण एडिसन रोग भी हो सकता है। कोर्टिसोल की कमी होने पर शरीर में कई तरह के बदलाव दिखाई दे सकते हैं। इनमें लगातार थकान और मांसपेशियों में कमजोरी प्रमुख हैं। इसके अलावा भूख कम लगना, बिना डाइटिंग वजन घटना, पेट दर्द, मतली, उल्टी और दस्त जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं।

कुछ लोगों को खड़े होते समय चक्कर आते हैं। ऐसा ब्लड प्रेशर कम होने के कारण हो सकता है। नमकीन चीजें खाने की इच्छा बढ़ना भी एड्रिनल ग्रंथियों की गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। एडिसन रोग में त्वचा का रंग सामान्य से अधिक गहरा पड़ने की समस्या भी दिखाई दे सकती है। यह जरूरी नहीं कि हर समय थकान रहने का मतलब कोर्टिसोल की कमी ही हो।

निशाना

दूर तक उजाला जायेगा...



प्रदीप कश्यप

एक दीपक जला गया कोई।
तीरगी को हटा गया कोई।
कर के इज़हार प्यार का आख़िर।
फूल सा दिल खिल गया कोई।
झूठ को ख़त्म कर दिया जिसने।
बात सच वो सुना गया कोई।
सब में सद्भाव को बढ़ा कर के।
दूर नफ़रत हटा गया कोई।
खूब कड़वी छिपा हक़ीकत को।
खूवाब मीठे दिखा गया कोई।
दूर दुर्भाव को हटा कर के।
प्रेम करना सिखा गया कोई।
जिसने कश्यप दिए थे दुख भारी।
सुख उसी पर लुटा गया कोई।

टेक्नो अपडेट

बीएसएनएल ऑफर... 2799 रुपये में 395 दिन का मोबाइल रिचार्ज, 3 जीबी डेटा रोजाना



मोबाइल रिचार्ज के बढ़ते खर्च के बीच सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत देने वाला ऑफर पेश किया है। कंपनी अपने 2799 रुपये वाले सालाना रिचार्ज प्लान पर 30 दिन की अतिरिक्त वैधता दे रही है। यानी अब इस प्लान को लेने वाले ग्राहकों को 365 नहीं, बल्कि पूरे 395 दिन तक रिचार्ज की सुविधा मिलेगी। खास बात यह है कि इसके लिए ग्राहकों को कोई अतिरिक्त पैसा नहीं देना होगा। यह ऑफर उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है, जो बार-बार मोबाइल रिचार्ज कराने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

30 दिन अतिरिक्त वैधता का फायदा: बीएसएनएल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए इस विशेष ऑफर की जानकारी दी है। सामान्य तौर पर 2799 रुपये के सालाना प्लान में 365 दिन की वैधता मिलती है। लेकिन दिवाली के विशेष ऑफर के तहत कंपनी इसमें 30 दिन और जोड़ रही है। इस तरह कुल वैधता 395 दिन हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, यह सीमित अवधि का ऑफर है और ग्राहक 30 नवंबर 2026 तक रिचार्ज कराकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

इस प्लान की खासियत केवल लंबी वैधता नहीं है, बल्कि इसमें मिलने वाली सुविधाएं भी हैं। ग्राहकों को हर दिन 3 जीबी हाईस्पीड इंटरनेट डेटा मिलेगा। निर्धारित डेटा सीमा समाप्त होने के बाद इंटरनेट की गति कम हो सकती है। इसके अलावा देशभर में किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग की सुविधा भी दी जा रही है। यानी दूसरे नेटवर्क पर कॉल करने के लिए अलग से पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं होगी। इंटरनेट और कॉलिंग के साथ इस प्लान में रोजाना 100 एसएमएस भी मिलते हैं। इस तरह इसमें तीनों जरूरी सुविधाएं शामिल हैं। खासकर ऐसे ग्राहकों के लिए यह प्लान उपयोगी है, जो मोबाइल का इस्तेमाल इंटरनेट, बातचीत और संदेश भेजने के लिए नियमित रूप से करते हैं। लंबी वैधता के कारण उन्हें हर महीने रिचार्ज की तारीख याद रखने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

ऐसे करा सकते हैं रिचार्ज: इस ऑफर का लाभ लेने के लिए ग्राहक बीएसएनएल के सेल्फकेयर ऐप या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से रिचार्ज करा सकते हैं। रिचार्ज करने से पहले अपने क्षेत्र में उपलब्ध प्लान और उसकी शर्तें जरूर जांच लें। यह प्लान उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है, जिन्हें रोजाना पर्याप्त इंटरनेट डेटा चाहिए और जो लंबे समय तक एक ही रिचार्ज पर निर्भर रहना चाहते हैं। हालांकि, रिचार्ज कराने से पहले अपने इलाके में बीएसएनएल के नेटवर्क और इंटरनेट की गति की जानकारी जरूर लें। केवल सस्ती कीमत और लंबी वैधता देखकर प्लान चुनना ठीक नहीं होगा। नेटवर्क की उपलब्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

वायरल कंटेंट

मुंबई की सब्जी मंडी बनी फैशन रैंप, मूली-धनिया लेकर मॉडल्स ने किया कैटवॉक

फैशन शो का नाम सुनते ही जेहन में चमचमाती रोशनी, आलीशान मंच, महंगे डिजाइनर कपड़े और हाथों में खूबसूरत हैंडबैग लिए मॉडल्स की तस्वीर उभरती है। लेकिन मुंबई के वसई में हुए एक अनोखे फैशन शो ने इस सोच को ही बदल दिया। यहां किसी फाइव स्टार होटल या बड़े ऑडिटोरियम को नहीं, बल्कि सब्जी मंडी की गलियों को फैशन रैंप बना दिया गया। इतना ही नहीं, मॉडल्स महंगे हैंडबैग की जगह हाथों में मूली और धनिया लेकर कैटवॉक करते नजर आए। इस अनोखे फैशन शो का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रहा है।



वसई की व्यस्त सब्जी मंडी में आयोजित 'विजन वोग फैशन वीक' में लड़के और लड़कियां आकर्षक कपड़े पहनकर पहुंचे। इसके बाद मंडी की संकरी गलियों में ही उनका कैटवॉक शुरू हो गया। आमतौर पर जहां लोग आलू, प्याज, टमाटर और दूसरी सब्जियों के भाव पूछते दिखाई देते हैं, वहां इस बार फैशन और स्टाइल का नजारा देखने को मिला। इस शो की सबसे दिलचस्प बात मॉडल्स के हाथों में मौजूद चीजें थीं। कोई मॉडल मूली लेकर रैंप पर चलता नजर आया तो किसी के हाथ में हरी-भरी धनिया की गड्डी थी। किसी ने सब्जियों को फैशन एक्सेसरीज की तरह इस्तेमाल किया तो किसी ने अपने आत्मविश्वास से लोगों का ध्यान खींचा। आसपास सब्जियों की दुकानें सजी थीं और खरीदार अपनी खरीदारी में व्यस्त थे। इसी बीच मॉडल्स पूरे अंदाज के साथ कैटवॉक करते रहे। इस अनोखे आयोजन के पीछे मुंबई के फैशन मेंटर और मॉडल साहिल सिंह का आइडिया था। वह फैशन को पारंपरिक सोच से अलग अंदाज में पेश करना चाहते थे। उनका मानना है कि फैशन के लिए महंगे ब्रांड, आलीशान जगह और बड़े बजट की जरूरत नहीं होती। रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास हो तो सामान्य जगह भी खास मंच बन सकती है।

इसी सोच के साथ उन्होंने सब्जी मंडी को फैशन रैंप में बदलने का प्रयोग किया। इस आयोजन का नाम 'विजन वोग फैशन वीक' रखा गया। साहिल सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट @fashiontipssahil पर इसका वीडियो भी साझा किया है।

इस वीडियो को और दिलचस्प बना रहा है इसका बैकग्राउंड म्यूजिक। इसमें ट्रेंडिंग पहाड़ी गाना 'स्वामी परदेश' सुनाई देता है। गाने की धुन, मॉडल्स का आत्मविश्वास और हाथों में मूली-धनिया लेकर चलने का अंदाज मिलकर इसे मनोरंजक बना देते हैं। वीडियो में मंडी का असली माहौल भी दिखाई देता है। न कोई भव्य सजावट और न ही कोई विशेष मंच, फिर भी मॉडल्स का अंदाज किसी बड़े फैशन वीक से कम नहीं लगता।

सीएम मोहन ने श्रीरामराजा सरकार के दर्शन कर की प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

महाकाल लोक की तर्ज पर संवरेगी भगवान राम की तपोभूमि, बनेगा वनवासी लोक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीपों की जगमगाहट, मंदाकिनी के घाटों पर आस्था का सैलाब और भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली पर धर्मनगरी चित्रकूट में विकास और आध्यात्मिक विरासत को नई ऊंचाई देने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार चित्रकूट को धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करेगी। उज्जैन के महाकाल लोक और ओरछा के रामराजा लोक की तर्ज पर चित्रकूट में भव्य वनवासी राम लोक का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी में दीपदान कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट धाम से गुप्त गोदावरी तक 81.17 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फोरलेन सड़क का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने के साथ क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट भगवान श्रीराम की तपोभूमि है। वनवास काल के 11 वर्ष से अधिक समय तक प्रभु श्रीराम ने यहां निवास किया था। यह भूमि भारतीय संस्कृति और आस्था की अमूल्य धरोहर है।



धार्मिक स्थलों का विकास हमारी सांस्कृतिक पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई देशों में पर्यटन की दृष्टि से स्थानों का विकास किया जाता है, लेकिन भारत में धार्मिक महत्व के स्थलों का विकास तीर्थाटन और आध्यात्मिक चेतना को केंद्र में रखकर किया जाता है। यही भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि तीर्थस्थलों पर पहुंचकर मन में पवित्रता और सकारात्मक भाव उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का प्राचीन इतिहास भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और आदिगुरु शंकराचार्य की स्मृतियों से जुड़ा है। उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की, जबकि ओंकारेश्वर में आदिगुरु शंकराचार्य को अपने गुरु मिले। प्रदेश की यह धरती आध्यात्मिक ज्ञान और गौरवशाली परंपराओं की साक्षी रही है।

कामतानाथ के दर्शन, मंदाकिनी में दीपदान कर मांगा आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने दीपोत्सव के पांच दिवसीय मेले में शामिल होकर मंदाकिनी नदी के पंचवटी घाट पर दीपदान किया। मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना के बाद भगवान कामतानाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। उन्होंने चित्रकूट धाम के संतों का शाल, श्रीफल और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया। साथ ही श्रद्धालुओं को मिठाई बांटकर दीपावली की

दीवाली से पहले एमपी की हवा खराब...

ग्वालियर में AQI 300 के पार, भोपाल इंदौर और उज्जैन की हवा भी हुई जहरीली

औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप की भी आबोहवा खराब श्रेणी में की गई दर्ज

- प्रदेश के तीन शहरों में वायु गुणवत्ता 250 के पार
- ग्वालियर के तीनों निगरानी केंद्रों पर हवा बेहद खराब
- इंदौर के रीजनल पार्क में सबसे साफ हवा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीपावली की रौनक बढ़ने के साथ मध्यप्रदेश के कई शहरों की हवा बिगड़ने लगी है। त्योहार से पहले ही प्रदूषण ने शहरों की आबोहवा पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। सबसे खराब स्थिति ग्वालियर की है, जहां तीन अलग-अलग निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार पहुंच गया है। दीनदयाल नगर में एक्यूआई 348 दर्ज किया गया, जबकि महाराज बाड़ा में 334 और सिटी सेंटर में 316 रहा। तीनों स्थानों पर हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच चुकी है। राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन और औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में भी वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। हालांकि राहत की बात यह है कि प्रदेश के किसी भी निगरानी केंद्र पर एक्यूआई 400 के पार नहीं पहुंचा है। ग्वालियर में प्रदूषण का असर सबसे अधिक दिखाई दे रहा है। दीनदयाल नगर का एक्यूआई 348, महाराज बाड़ा का 334 और सिटी सेंटर का 316 दर्ज हुआ। यहां हवा में मौजूद सूक्ष्म कण लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता बढ़ा रहे हैं। दीनदयाल नगर और सिटी सेंटर में पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा, जबकि महाराज बाड़ा में पीएम 10 का स्तर अधिक प्रभावी रहा। लगातार तीन केंद्रों पर एक्यूआई 300 से ऊपर रहना शहर की वायु गुणवत्ता की गंभीर स्थिति को दर्शाता है।



भोपाल का पर्यावरण परिसर भी अछूता नहीं

राजधानी भोपाल में भी हवा की गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है। पर्यावरण परिसर में एक्यूआई 261 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। यहां पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा। हालांकि शहर के अन्य निगरानी केंद्रों पर स्थिति कुछ बेहतर है। टीटी नगर में एक्यूआई 183 और ईदगाह हिल्स में 141 दर्ज किया गया। इन दोनों क्षेत्रों में हवा मध्यम श्रेणी में रही। इसके बावजूद राजधानी के एक प्रमुख केंद्र पर प्रदूषण का स्तर बढ़ना चिंता का विषय है।

मंडीदीप, इंदौर और उज्जैन में भी बिगड़े हालात- औद्योगिक गतिविधियों वाले मंडीदीप में सेक्टर-डी क्षेत्र का एक्यूआई 251 दर्ज किया गया। यहां पीएम 10 प्रमुख प्रदूषक रहा। इंदौर के छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में एक्यूआई 233 और उज्जैन के महाश्वेता नगर में 229 रहा। सिंगरौली में एनसीएल के सूर्यकिरण भवन के पास एक्यूआई 206 दर्ज हुआ। इन सभी स्थानों पर हवा खराब श्रेणी में रही।

दमोह, मैहर और सतना में हवा अपेक्षाकृत साफ

प्रदेश के कुछ शहरों में वायु गुणवत्ता बेहतर बनी हुई है। दमोह की श्रीवास्तव कॉलोनी में एक्यूआई 59, मैहर के साहिलारा में 61 और सतना की बांधवगढ़ कॉलोनी में 70 दर्ज किया गया। सागर के दीनदयाल नगर में भी यह स्तर 80 रहा। इन सभी स्थानों पर हवा संतोषजनक श्रेणी में रही। वहीं इंदौर के रीजनल पार्क में 48 का स्तर दर्ज होने से वहां की हवा सबसे साफ रही।

पीएम 2.5 और पीएम 10 ने बढ़ाई चिंता

प्रदूषण के आंकड़ों में ग्वालियर सबसे आगे रहा। पीएम 2.5 के मामले में दीनदयाल नगर का स्तर 348 और सिटी सेंटर का 316 दर्ज किया गया। भोपाल के पर्यावरण परिसर में भी पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा। वहीं पीएम 10 के मामले में ग्वालियर का महाराज बाड़ा 334 के स्तर के साथ सबसे ऊपर रहा। इसके बाद मंडीदीप में 251, इंदौर की छोटी ग्वालटोली में 233 और सिंगरौली में 206 दर्ज किया गया। रतलाम के शास्त्री नगर में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रमुख प्रदूषक रहा।

जबलपुर में राहत, सागर और कटनी में बढ़ा प्रदूषण

जबलपुर में चारों निगरानी केंद्रों पर हवा मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। यहां मार्हताल में एक्यूआई 164, गुप्तेश्वर में 131, सुहागी में 108 और गोविंद भवन कॉलोनी में 74 रहा। सागर के सिविल लाइंस में 154 और दीनदयाल नगर में 80 दर्ज किया गया। कटनी के गोल बाजार में एक्यूआई 197 रहा, जो मध्यम श्रेणी के ऊपरी स्तर पर है। देवास के भोपाल चौराहे पर 162 और पीथमपुर के सेक्टर-2 औद्योगिक क्षेत्र में 167 दर्ज किया गया।

चाइल्ड केयर लीव की प्रोसेस ऑनलाइन करे स्कूल शिक्षा विभाग

ऑफलाइन प्रक्रिया में है पारदर्शिता की कमी, पात्र टीचर्स को नहीं मिल पाता फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की महिला शिक्षिकों को मिलने वाले संतान पालन अवकाश की पूरी प्रोसेस ऑनलाइन किए जाने की मांग स्कूल शिक्षा विभाग से की गई है। संतान पालन अवकाश स्वीकृति की ऑफलाइन प्रोसेस में टीचर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई बार पात्र शिक्षकों को इसका फायदा भी नहीं मिल पाता है। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि वर्तमान में जिला स्तर पर संतान पालन अवकाश स्वीकृति की ऑफलाइन प्रक्रिया के कारण महिला शिक्षिकाओं को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पारदर्शिता का अभाव

आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहता है। साथ ही, अनावश्यक विलंब और कथित अनियमितताओं की शिकायतें भी सामने आती हैं। इसके चलते कई बार वास्तविक रूप से पात्र महिला शिक्षिकाओं को भी उनके वैधानिक अधिकार के अनुरूप संतान पालन अवकाश का लाभ नहीं मिल पाता।



ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने की मांग

उन्होंने कहा कि संतान पालन अवकाश महिला शिक्षिकाओं के लिए केवल एक विभागीय सुविधा नहीं, बल्कि बच्चों की देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन से जुड़ा महत्वपूर्ण अधिकार है। इसकी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाना आवश्यक है। उपेन्द्र कौशल ने स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं राज्य शासन से मांग की है कि महिला शिक्षिकाओं की इस महत्वपूर्ण समस्या को गंभीरता से लेते हुए संतान पालन अवकाश की ऑनलाइन व्यवस्था शीघ्र लागू की जाए, ताकि पात्र महिला शिक्षिकाओं को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें सम्मानपूर्वक अपने अधिकार का लाभ मिल सके।

दीपावली पर बिजली आपूर्ति को लेकर एमपी ट्रांसको सतर्क

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि रोशनी के पर्व दीपावली के दौरान प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपनी ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस टीमों और एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सबस्टेशनों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की व्यवस्था की है। हालांकि एमपी ट्रांसको की मेंटेनेंस टीमें सामान्य दिनों में भी चौबीसों घंटे अलर्ट मोड में रहकर विद्युत पारेषण व्यवस्था की निगरानी और रखरखाव करती हैं, लेकिन दीपावली के अवसर पर संभावित पीक लोड को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार की कोशिश

60 सरकारी अस्पतालों की बदलेगी तस्वीर 208.75 करोड़ मंजूर, मिलेगा बेहतर इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 60 सरकारी अस्पतालों में बड़े पैमाने पर सुधार कार्य होगा। इसके लिए कुल 208 करोड़ 75 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। इस राशि से पुराने भवनों की मरम्मत, विस्तार और नए भवन बनाए जाएंगे। मकसद है कि लोगों को जिला स्तर पर बेहतर इलाज मिले और उन्हें बड़े शहरों में न जाना पड़े। सबसे बड़ा काम खरगोन और सतना में होना है। यहां जिला अस्पताल में मां और बच्चे के लिए अत्याधुनिक एमसीएच विंग बनेगा। दोनों पर 26-26 करोड़ रुपये खर्च होंगे। भोपाल स्थित स्टेट टीबी सेंटर, स्टेट ड्रग स्टोर और आइआरएल लैब का सुधार होगा। इस पर तीन करोड़ रुपये खर्च होंगे। मंदसौर में नया जिला टीबी सेंटर बनेगा। कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेडेशन होगा। इससे जांच, दवा और इलाज मजबूत होगा। कई जिला अस्पतालों में आठ बेड के आब्स्टेट्रिक आइसीयू बनेंगे। इससे गर्भावस्था में गंभीर समस्या वाली महिलाओं को तुरंत इलाज मिलेगा।

10 समूहों में बांटा गया पूरा काम



पूरे काम को 10 समूहों में बांटा गया है। ग्रुप-ए में सात, ग्रुप-बी में आठ, ग्रुप-सी में आठ, ग्रुप-डी में सात, ग्रुप-ई में पांच, ग्रुप-एफ में नौ, ग्रुप-जी में चार, ग्रुप-एच में एक, ग्रुप-आई में पांच और ग्रुप-जे में छह काम हैं। इससे निगरानी आसान होगी और काम समय पर पूरा होगा। योजना के मुताबिक मेहगांव, गंधवानी, बाजना, रायपुर कल्चुरियान और पलेरा में नए भवन बनेंगे। हर भवन पर करीब 12 करोड़ 47 लाख रुपये खर्च होंगे। इससे ओपीडी, वार्ड, जांच और इलाज की सुविधाएं एक ही जगह मिल सकेंगी। जर्जर भवनों में चल रहे अस्पतालों को बड़ी राहत मिलेगी।

जबलपुर में खुला प्रदेश का पहला संभागीय उच्च शिक्षा कार्यालय

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग को जबलपुर में अपना संभागीय मुख्यालय मिल गया है। 5.40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग के नए भवन का लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने लोकार्पण किया। यह प्रदेश का पहला संभागीय कार्यालय है, जिसे उच्च शिक्षा विभाग के लिए तैयार किया गया है। लोकार्पण समारोह में मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि जबलपुर संभाग में इस भवन की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। मुख्यमंत्री के सौजन्य से भवन का निर्माण पूरा हुआ है। यह केंद्र पूरे संभाग के विद्यार्थियों के जीवन को शिक्षा के माध्यम से नई दिशा देने के साथ विभागीय गतिविधियों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कूनो नेशनल पार्क चीता प्रोजेक्ट पर उठे सवाल

शिकार की कमी और तेंदुओं के खौफ से बस्तियों में घुस रहे चीते, मवेशियों पर कर रहे हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चीता पुनर्स्थापना परियोजना के तहत कूनो राष्ट्रीय उद्यान में घास के मैदान अपेक्षित मात्रा में विकसित नहीं किए गए, इससे शाकाहारी वन्य प्राणियों की कमी बनी हुई है। चीतों को पर्याप्त शिकार नहीं मिल पा रहा है। इस बीच चीतों की संख्या भी बढ़ी है और वे मानव बस्तियों में घुसकर पालतू मवेशियों का शिकार कर रहे हैं। दरअसल, चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से पहले कई सुरक्षा उपायों जैसे घास के मैदानों का विकास और ग्रामीणों के विस्थापन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इससे चीतों के कूनो के जंगल से बाहर पड़ोसी राज्यों में पलायन और मवेशियों के शिकार के मामले बढ़े हैं। विशेषज्ञों ने चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से पहले उनकी सुरक्षा के उपाय करने की बात कही थी लेकिन अमल नहीं हुआ। वन विभाग दावा करता है कि प्रत्येक चीते की निगरानी में पांच वनकर्मी रहते हैं, लेकिन चीतों की अप्राकृतिक मृत्यु ने निगरानी तंत्र पर सवाल खड़े किए हैं।



1500 चीतल भी छोड़े गए

कूनो में कई किस्तों में अब तक 1500 चीतल (हिरण की एक प्रजाति) छोड़े जा चुके हैं लेकिन यहां तेंदुओं की मौजूदगी के चलते चीतों को पर्याप्त शिकार नहीं मिल पा रहा है। इस क्षेत्र में तेंदुए हर उस जगह पर हैं, जहां चीतल, जंगली सूअर, हिरण जैसे शिकार उपलब्ध हैं। चीता तेंदुओं से दूरी बनाकर रखता है। एक अहम बात यह भी है कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान 25 चीतों की संख्या के हिसाब से उपयुक्त माना गया था। फिलहाल शावकों सहित यहां 52 चीते हैं।

पहल: अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों पर चलेगा विशेष अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन ने राज्य के सभी विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के वर्षों से लंबित पड़े मामलों का समाधान करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। हाल ही में हुई पदोन्नति प्रक्रिया के कारण खाली हुए पदों पर दिवंगत शासकीय सेवकों के पात्र आश्रितों को नौकरियां दी जाएंगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और जिलाधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि राज्य, संभाग और जिला स्तर के अनेक कार्यालयों में उपयुक्त पद रिक्त न होने के कारण अनुकंपा नियुक्ति के कई मामले लंबे समय से लंबित बने हुए थे। प्रदेश सरकार ने पिछले महीने विशेष अभियान चलाकर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की पदोन्नतियां की हैं। इस प्रक्रिया के पूरा होने से विभिन्न संवर्गों में पर्याप्त पद रिक्त हो गए हैं। शासन ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने यहां उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार योग्यता के आधार पर सभी पात्र आश्रितों के लंबित आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करें।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद शुरु हुई मुहिम

इससे पहले, लोक शिक्षण आयुक्त ने एक विशेष पहल करते हुए केवल दस दिन की अवधि में 954 दिवंगत शिक्षकों और कर्मचारियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी थी। इस प्रक्रिया के बाद मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने राज्य के सभी प्रशासनिक विभागों में लंबित पड़े अनुकंपा नियुक्ति के मामलों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर | वनदेवी, ठाकुर बाबा और बघासुर के स्थान पर दीपदान कर प्रकृति के प्रति जताते हैं आभार

जंगल, जमीन- फसल में बसती हैं जनजातीय दीपावली की खुशियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देशभर में दीपावली का पर्व रोशनी, खुशियों और समृद्धि के उत्सव के रूप में मनाया जाता है, लेकिन मध्यप्रदेश के जनजातीय अंचलों में इस त्योहार की परंपराएं प्रकृति से जुड़े अनूठे संदेश देती हैं। यहां दीपावली केवल घरों को सजाने और धन-संपत्ति की पूजा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि जंगल, जमीन, जल, फसल और पशु-पक्षियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। जनजातीय समाज की सदियों पुरानी मान्यताओं में दीपावली का प्रत्येक दिन प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंधों को उजागर करता है। कहीं वनदेवी और ठाकुर बाबा के स्थान पर दीपदान किया जाता है, तो कहीं खेतों में दीप जलाकर अच्छी फसल और खुशहाली की कामना की जाती है।



त्योहार के बहाने मजबूत होता है सामाजिक जुड़ाव

जनजातीय समाज में दीपावली का सामूहिक स्वरूप सामाजिक एकजुटता का भी प्रतीक है। गांव के लोग मिलकर पूजा-अर्चना और पारंपरिक आयोजन करते हैं। घर-घर पहुंचने वाली टोलियां यह संदेश देती हैं कि त्योहार की खुशियां तभी पूरी होती हैं, जब पूरा समुदाय उसमें सहभागी बने। इन आयोजनों में उम्र, परिवार और व्यक्तिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सामूहिक भागीदारी दिखाई देती है। जनजातीय दीपावली की परंपराएं नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम भी हैं। लोकनृत्य, लोकगीत, दीपदान और पारंपरिक अनुष्ठानों के जरिए बच्चे और युवा अपने समाज की मान्यताओं तथा जीवनशैली को समझते हैं। इन परंपराओं में प्रकृति संरक्षण, सामुदायिक सद्भाव और श्रम के सम्मान का संदेश छिपा है।

जनजातीय क्षेत्रों में दीपावली के दौरान प्रकृति और लोकदेवताओं की पूजा का विशेष महत्व है। ग्रामीण वनदेवी, ठाकुर बाबा और बघासुर के स्थान पर दीप जलाकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। इन परंपराओं के पीछे जंगल और वन्यजीवों के प्रति सम्मान का भाव जुड़ा हुआ है। जनजातीय समाज जंगल को केवल संसाधनों का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानता है। यही वजह है कि दीपावली पर घरों के साथ वनदेवी के स्थान भी दीपों से रोशन किए जाते हैं। खेतों में दीप जलाने की परंपरा भी इसी सोच का हिस्सा है। किसान अच्छी पैदावार, पर्याप्त वर्षा और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। खेतों में जलने वाले दीप मेहनत, अन्न और धरती के महत्व को दर्शाते हैं। इस तरह जनजातीय दीपावली में प्रकृति के उन सभी रूपों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है, जिनसे उनका जीवन जुड़ा है।

ढोल-मांदर की थाप पर मनाई जाती है दिवाली जगाने की रस्म-

दीपावली की रात वनांचल के गांवों में उत्सव का अलग ही रंग दिखाई देता है। यहां स्थानीय परंपरा में इसे %दिवाली जगाने% का रिवाज कहा जाता है। ग्रामीण एक स्थान पर एकत्रित होते हैं और ढोल-मांदर की थाप पर पारंपरिक लोकनृत्य करते हैं। गीत-संगीत और नृत्य के बीच पूरा गांव उत्सव के रंग में रंग जाता है।

नौरादेही विस्थापन पर लड़ाई, 376 पेज के सबूत लेकर हाईकोर्ट पहुंची संघर्ष समिति

12 गांवों की 3597 हेक्टेयर उपजाऊ जमीन और हजारों परिवारों के अधिकारों का मामला गरमाया

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य और वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में विस्थापन का मुद्दा अब कानूनी लड़ाई का रूप ले चुका है। 12 गांवों के किसानों, आदिवासियों और भूमिहीन परिवारों के अधिकारों की पैरवी करते हुए नौरादेही विस्थापन संघर्ष समिति ने 376 पेज के दस्तावेजों के साथ मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में टाइगर रिजर्व के कोर जोन में गांवों को शामिल करने, ग्रामसभाओं की सहमति और वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों का निराकरण किए बिना विस्थापन की आशंका पर सवाल उठाए गए हैं। समिति के मुताबिक, 12 गांवों की 3597



हेक्टेयर जमीन सिंचित और त्रि-फसली है, जो हजारों परिवारों की आजीविका का आधार है। वन अधिकार पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार 324 दावों में एक भी मान्य नहीं हुआ, जबकि 279 लंबित हैं। याचिका में किसान नंदलाल गौड़ के ट्रैक्टर की जब्ती का मुद्दा भी उठाया गया है। 5 नवंबर 2026 को मुख्य न्यायमूर्ति अल्पेश वाई. कोगजे और न्यायमूर्ति विवेक जैन की पीठ ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर पूर्व में मिली अंतरिम राहत अगली सुनवाई तक बरकरार रखी है। मामला चार सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया गया है। अब प्रभावित परिवारों की निगाहें न्यायालय के अगले फैसले पर टिकी हैं। नौरादेही अभयारण्य के आसपास 26 सितंबर 2017 को 291.10 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को इको सेंसिटिव जोन घोषित किया गया था। इसमें तीन जिलों के 71 गांव शामिल थे। ग्रामीणों को परंपरागत अधिकार सुरक्षित रहने का भरोसा दिया गया था। इसके बाद 20 सितंबर 2023 को नौरादेही और रानी दुर्गावती अभयारण्यों को मिलाकर 2339 वर्ग किलोमीटर का टाइगर रिजर्व बनाया गया। इसमें 1414 वर्ग किलोमीटर कोर और 925 वर्ग किलोमीटर बफर क्षेत्र निर्धारित हुआ। संघर्ष समिति का आरोप है कि इसी प्रक्रिया के बाद 12 गांवों के ग्रामीणों पर विस्थापन का खतरा मंडराने लगा।

याचिका में प्रमुख मांगें

संघर्ष समिति ने हाईकोर्ट में मांग उठाई है कि वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित दावों का निराकरण किया जाए और प्रभावित ग्रामसभाओं की सहमति सहित सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित हो। समिति का कहना है कि अधिकारों का निपटारा किए बिना गांवों को कोर जोन में शामिल करना उचित नहीं है। याचिका में किसान नंदलाल गौड़ के ट्रैक्टर की जब्ती और खेती-किसानी में आ रही बाधाओं का भी उल्लेख है। समिति चाहती है कि मामले की अंतिम सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक ग्रामीणों को बेदखल करने या विस्थापन की कोई कार्रवाई न की जाए।

नाबालिग से छेड़छाड़ की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। तेजगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बालिका के साथ छेड़छाड़ की कोशिश का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बालिका की सुरक्षा और संवेदनशीलता को प्राथमिकता देते हुए परिजनों से जानकारी ली है। साथ ही लोगों से ऐसी किसी भी घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। बालिका के बयान सहित आवश्यक तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज विंडो

शंकर नाला का अंधा मोड़ बना हादसों का 'डेथ पॉइंट', अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर



तेंदूखेड़ा। झलौन-धनेटा मार्ग पर शंकर नाला के पास शनिवार शाम करीब 4:30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। हालांकि, परिजन उसे निजी वाहन से जबलपुर के निजी अस्पताल ले गए। घायल की पहचान अज्जू पिता अठ्ठू अहिरवार (25), निवासी दरौली के रूप में हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उसके सिर में गंभीर चोट आई है। इधर, स्थानीय लोगों ने बताया कि शंकर नाला के पास अंधा मोड़ होने से दोनों ओर से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए हैं। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

कुएं में डूबने से दो की मौत, पीड़ित परिवार को मिला 8 लाख का आर्थिक संबल



सिरोंज। ग्राम नेकान में कुएं में डूबने से स्वर्गीय गुड्डी बाई नायक और राजकुमार नायक की दुखद मृत्यु के बाद शोकाकुल परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दोनों दिवंगतों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपए, कुल 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। सहायता राशि के स्वीकृति पत्र परिजनों को सौंपे गए। दीपावली के अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार के बीच पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान परिवार के सदस्यों को वस्त्र और मिठाई वितरित की गई, वहीं बच्चों को टॉफियां भेंट कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। जनप्रतिनिधियों ने परिजनों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी जानी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और अधिकारियों की मौजूदगी रही। उन्होंने दुख की इस घड़ी में परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

झलोन की बेटी मुस्कान ने रचा इतिहास, 'मिस संस्कारधानी सीजन-2' का ताज किया अपने नाम



तेंदूखेड़ा। प्रतिभा, आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर झलोन गांव की बेटी मुस्कान दत्ता ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जबलपुर में आयोजित सौंदर्य एवं व्यक्तित्व प्रतियोगिता 'मिस्टर, मिस, मिसेज एंड टीन संस्कारधानी सीजन-2' में मुस्कान ने जबलपुर संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का ताज अपने नाम किया। ट्राइडेंट ग्रुप के फाउंडर अभिषेक पंडित के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को सात दिवसीय ग्रूमिंग क्लास के जरिए प्रशिक्षित किया गया। इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट कोच क्रिस्ट राज और अमन सिंह राजपूत ने प्रशिक्षण दिया। प्रतियोगिता में मुस्कान ने रैंप वॉक, व्यक्तित्व प्रदर्शन और प्रश्न-उत्तर राउंड में शानदार प्रदर्शन कर निर्णायकों को प्रभावित किया। चिकित्सक डॉ. दीपांकर दत्ता की सुपुत्री मुस्कान ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद, परिवार के सहयोग और निरंतर मेहनत को दिया। उनका सपना मॉडलिंग के क्षेत्र में अलग पहचान बनाना है। मुस्कान की उपलब्धि पर झलोन सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा बनी है।

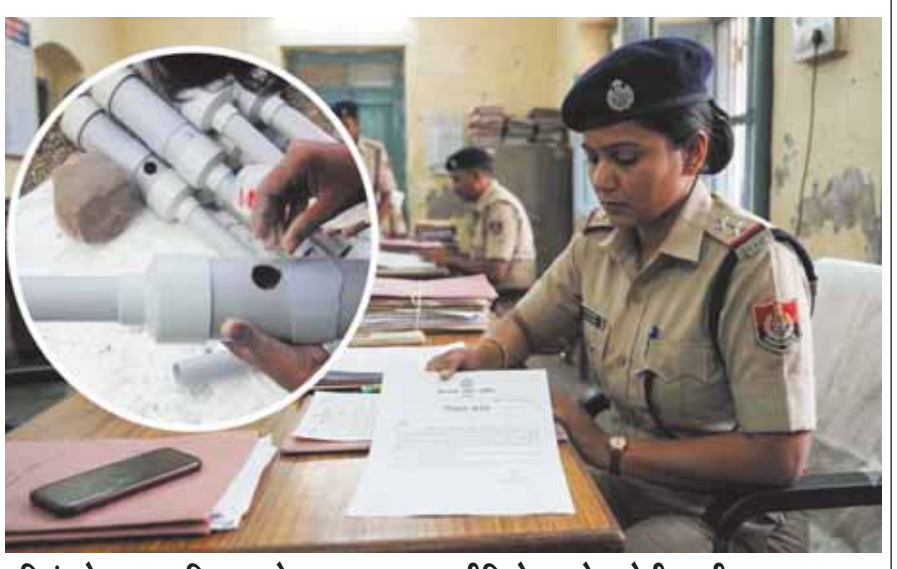
प्रतिबंधित गन चलाते हुए वीडियो इंस्टाग्राम पर किया था अपलोड

आरक्षक खुद तोड़ बैठी नियम, कार्बाइड गन से रील बनाई तो गिरी निलंबन की गाज

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर रील बनाने का शौक एक महिला पुलिस आरक्षक को भारी पड़ गया। कोतवाली थाने में पदस्थ महिला आरक्षक कुमकुम दुबे ने प्रतिबंधित कार्बाइड गन चलाते हुए अपना वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। मामला प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के संज्ञान में पहुंचा तो उन्होंने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

प्रदेश में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्बाइड गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद महिला आरक्षक ने प्रतिबंधित गन का इस्तेमाल किया और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। पुलिस विभाग में पदस्थ कर्मचारी द्वारा ही नियमों की अनदेखी किए जाने को अधिकारियों ने गंभीरता से लिया। एसपी की कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।



प्रतिबंध के बावजूद किया इस्तेमाल

मध्यप्रदेश में कार्बाइड गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह गन तेज विस्फोटक आवाज या रोशनी उत्पन्न करती है। सुरक्षा की दृष्टि से इसके उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। इसके बावजूद महिला आरक्षक कुमकुम दुबे ने कार्बाइड गन चलाते हुए वीडियो बनाया और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। पुलिसकर्मी होने के कारण उनसे नियमों के पालन की अपेक्षा थी, लेकिन उनका यह कदम विभागीय अनुशासन के विपरीत पाया गया।

वीडियो सामने आते ही एसपी का एक्शन

महिला आरक्षक का वीडियो प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी तक पहुंचा। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निलंबन के आदेश जारी किए। पुलिस विभाग में अनुशासन और नियमों के पालन को अनिवार्य माना जाता है। ऐसे में प्रतिबंधित गन का इस्तेमाल कर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करना विभागीय कार्रवाई का आधार बना। एसपी की इस कार्रवाई को पुलिसकर्मियों के लिए अनुशासन और नियमों के पालन का सख्त संदेश माना जा रहा है।

मुरैना के बानमोर इंडस्ट्रियल एरिया तक पहुंचा चीता, वीडियो वायरल होने से हड़कंप



मुरैना। कूनो नेशनल पार्क से निकला एक चीता ग्वालियर के पास बानमोर औद्योगिक क्षेत्र तक पहुंच गया। औद्योगिक क्षेत्र के समीप घनी आबादी और दिल्ली-मुंबई हाईवे होने के कारण चीते की मौजूदगी से इलाके में हड़कंप मच गया। शनिवार को फैक्ट्री क्षेत्र में चीते के दौड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद लोगों में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, चीता गुरुवार को पवाया सांक नदी के किनारे देखा गया था। इसके बाद से वन विभाग की टीम लगातार उसकी निगरानी और ट्रैकिंग कर रही थी। शनिवार को चीते के औद्योगिक क्षेत्र में दिखाई देने का वीडियो सामने आने पर स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही वाले हाईवे के नजदीक चीते की मौजूदगी से सड़क हादसे की आशंका भी बनी हुई थी। सूचना मिलते ही कूनो नेशनल पार्क की ट्रैकिंग टीम सक्रिय हुई और वन विभाग के सहयोग से चीते को सुरक्षित रेस्क्यू कर अपने साथ ले गई। लगातार आबादी वाले क्षेत्र की ओर बढ़ रहे चीते को सुरक्षित पकड़ने से वन विभाग ने राहत की सांस ली। घटना के बाद क्षेत्र में चीते की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी हुई है।

देर शाम तक चलता रहा खरीदारी का दौर

दीपावली पर तेंदूखेड़ा बाजार खरीदारी को उमड़ा जनसैलाब



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दीपावली पर्व की खुशियों और उत्साह का असर शनिवार को नगर के बाजार में साफ दिखाई दिया। सुबह से ही नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे। दिन चढ़ने के साथ बाजार में भीड़ बढ़ती गई और देर शाम तक प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की चहल-पहल बनी रही।

मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की कतारें लगी रहीं, वहीं कपड़ों की दुकानों पर लोग परिवार के लिए नए परिधान पसंद करते नजर आए। पटाखों की दुकानों पर बच्चों और युवाओं की भीड़ रही। इसके अलावा दीपक, मोमबत्ती, विद्युत झालर, पूजन सामग्री, फल-फूल और सजावटी सामान की भी जमकर खरीदारी हुई। किराना, मोबाइल, ऑटो पार्ट्स और दोपहिया वाहन की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। बाजार की रौनक बढ़ाने में दूसरे शहरों और प्रदेशों से दीपावली मनाने घर लौटे प्रवासी मजदूरों की भी अहम भूमिका रही। परिवार के साथ त्योहार मनाने पहुंचे लोग घरेलू जरूरतों की खरीदारी करते दिखाई दिए। दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। त्योहार की इस चहल-पहल से व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

महिंद्रा शोरूम से कर्मचारी का फिल्मी अंदाज में अपहरण, पुलिस ने नालछा से सकुशल छुड़ाया



धार। दोपहर मेट्रो

शहर की आदर्श सड़क स्थित महिंद्रा शोरूम परिसर में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब बोलेरो सवार बदमाशों ने एक कर्मचारी को मारपीट कर जबरन अगवा कर लिया। हालांकि पुलिस की तत्परता और तकनीकी निगरानी के चलते अपहृत कर्मचारी को नालछा से सकुशल बरामद कर लिया गया। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर वारदात में इस्तेमाल बोलेरो वाहन भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार 7 नवंबर को शोरूम में काम कर रहे ग्राम तलवाड़ा निवासी आकाश गिरवाल को सफेद बोलेरो सवार तीन-चार युवक सर्विसिंग की बात कहकर वाहन के पास बुलाने लगे। आकाश के पहुंचते ही आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जबरन गाड़ी में बैठाकर मांडव की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के निर्देशन में सीएसपी योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में पांच टीमें गठित की गईं। साइबर और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने आकाश को नालछा से बरामद कर लिया।

पत्नी से बातचीत को लेकर रची अपहरण की साजिश

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आकाश की बातचीत आरोपी अर्जुन गिरवाल की पत्नी से होती थी। इसी बात को लेकर अर्जुन ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपहरण की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अर्जुन गिरवाल (26), अरविंद कटारे (21), रूप सिंह डाबर (21) और लव चौहान (18) को अभिरक्षा में लिया है। कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 679/2026 के तहत धारा 140(3) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर | तेंदूखेड़ा अस्पताल में डॉ. अशोक बरौनियां की अनूठी पहल बनी आकर्षण, घंटा बजाकर प्रवेश कर रहे मरीज और परिजन

जहां कभी गूंजती थीं चीखें, अब घंटे की मधुर ध्वनि से हो रहा मरीजों का स्वागत



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अस्पताल का नाम सुनते ही मन में बीमारी, दर्द और चिंता के भाव उभरने लगते हैं, लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में इन दिनों नजारा कुछ अलग है। यहां अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार पर लगाया गया विशाल घंटा मरीजों और उनके परिजनों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अब लोग अस्पताल में प्रवेश करने से पहले घंटा बजाते हैं और इसकी मधुर गूंज के साथ भीतर कदम रखते हैं। यह अनूठी पहल मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरौनियां ने की है। उनका उद्देश्य अस्पताल के वातावरण को अधिक सहज, सकारात्मक और अपनत्व से भरा बनाना है। सुबह से शाम तक बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य मरीज उत्सुकता के साथ घंटा बजाते दिखाई देते हैं। अस्पताल आने वाले परिजनों का कहना है कि इलाज की चिंता के बीच घंटी की ध्वनि मन को सुकून और सकारात्मक अनुभूति देती है। बच्चों के लिए भी यह खास आकर्षण बन गई है। जो बच्चे पहले अस्पताल और इंजेक्शन से घबराते थे, वे अब उत्साह से घंटा बजाकर प्रवेश कर रहे हैं। कर्मचारियों के मुताबिक इस पहल से अस्पताल के माहौल में भी सुखद बदलाव महसूस हो रहा है। हालांकि घंटी की ध्वनि उपचार या बीमारी से बचाव का वैज्ञानिक विकल्प नहीं है, लेकिन मानसिक सुकून और सहजता का माध्यम जरूर बन रही है। अस्पताल की यह छोटी-सी पहल अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

मंदिर की परंपरा ने अस्पताल को दी नई पहचान

मंदिरों में घंटी बजाने की परंपरा सदियों पुरानी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घंटी की ध्वनि मन को एकाग्र करने और श्रद्धा व्यक्त करने का माध्यम मानी जाती है। इसी परंपरा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के प्रवेश द्वार पर एक नए रूप में अपनाया गया है। यहां मरीज और उनके परिजन अस्पताल में प्रवेश से पहले घंटा बजाते हैं। इसकी गूंज से लोगों को सकारात्मकता और अपनत्व का अनुभव होता है। खास बात यह है कि अब अस्पताल का प्रवेश द्वार केवल इलाज के लिए आने-जाने का स्थान नहीं, बल्कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला एक अनूठा केंद्र बन गया है। अस्पताल में आने वाले छोटे बच्चों के लिए प्रवेश द्वार पर लगा घंटा खास आकर्षण बन गया है। पहले अस्पताल और इंजेक्शन का नाम सुनकर घबराने वाले बच्चे अब उत्सुकता से घंटा बजाते हुए भीतर प्रवेश करते हैं। परिजनों का मानना है कि इस छोटी-सी पहल से बच्चों का ध्यान अस्पताल के डर से हटता है और वे सहज महसूस करते हैं। अस्पताल के कर्मचारियों का कहना है कि इस बदलाव से मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवाद में भी सकारात्मकता आई है। डॉ. अशोक बरौनियां की यह पहल बताती है कि स्वास्थ्य सेवाओं में उपचार के साथ मरीजों को सहज और सकारात्मक माहौल देना भी महत्वपूर्ण है।

जन्म दिन विशेष

डॉक्टर नहीं, क्रिकेटर बनने की जिद ने बनाया सितारा, तिलक ने बल्ले से लिखी कामयाबी की कहानी



नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और आकर्षक शॉट्स से अलग पहचान बनाने वाले तिलक वर्मा आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। मैदान पर बड़े से बड़े गेंदबाजों का सामना करने का आत्मविश्वास और मुश्किल परिस्थितियों में टीम को संभालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो शतक लगा चुके तिलक की सफलता के पीछे संघर्ष, परिवार का त्याग और क्रिकेट के प्रति उनका जुनून छिपा है। कभी हैदराबाद की गलियों और बीएचईएल क्वार्टर में क्रिकेट खेलने वाले इस युवा ने अपनी मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक का सफर तय किया है।

नंबूरी ठाकुर तिलक वर्मा का जन्म 8 नवंबर 2002 को हैदराबाद के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता बीएचईएल में इलेक्ट्रिशियन थे। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन बच्चों के भविष्य को लेकर उनके पिता के बड़े सपने थे। वह चाहते थे कि उनके दोनों बेटे डॉक्टर बनें। हालांकि, बड़े बेटे तरुण ने बैडमिंटन और तिलक ने क्रिकेट को अपना लक्ष्य बना लिया। तिलक ने पिता को समझाया कि डॉक्टर बनने पर उन्हें सीमित लोग जानेंगे, जबकि क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके वह पूरी दुनिया में पहचान बना सकते हैं। बेटे के इस विश्वास को पिता ने समझा और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उसके सपने को पूरा करने में जुट गए।

11 साल की उम्र में घर से दूर शुरू हुई क्रिकेट की ट्रेनिंग

तिलक की प्रतिभा को निखारने में कोच सलाम बयाश का अहम योगदान रहा। महज 11 साल की उम्र में वह बेहतर क्रिकेट प्रशिक्षण के लिए घर से दूर सलोना चले गए। यहां कोच ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें तराशने की जिम्मेदारी उठाई। कोच ने केवल मैदान पर प्रशिक्षण ही नहीं दिया, बल्कि आने-जाने की व्यवस्था में भी मदद की। इस दौरान तिलक ने अनुशासन, मेहनत और खेल की बारीकियां सीखीं। परिवार और कोच के सहयोग ने उनके भीतर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा किया।

आईपीएल ने खोले भारतीय टीम तक पहुंचने के रास्ते

साल 2019 में तिलक ने प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में पदार्पण किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद 2022 में उन्हें आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने का अवसर मिला। अपने पहले ही सत्र में उन्होंने 14 मुकाबलों में 397 रन बनाकर सबका ध्यान खींचा। अगले सत्र में भी 343 रन बनाकर उन्होंने अपनी निरंतरता साबित की। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी दिखाई दी। यही प्रदर्शन उनके भारतीय टीम तक पहुंचने का आधार बना।

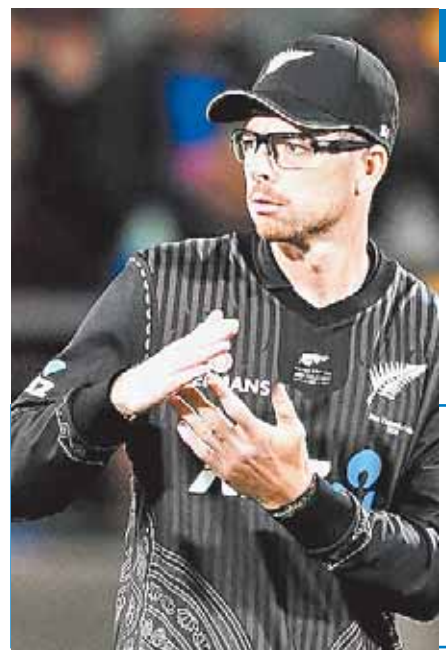
भारत से लगातार दूसरी हार पर सेंटनर का छलका दर्द, बोले-

30-40 रन और बना लेते तो पलट सकता था मैच

नई दिल्ली , एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ लगातार दूसरी हार ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर को निराश कर दिया है। पांच मैचों की वनडे सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद सेंटनर ने माना कि उनकी टीम स्कोर बोर्ड पर 30 से 40 रन कम छोड़ गई। उनका कहना है कि अगर न्यूजीलैंड 160 से 180 रन तक पहुंच जाता तो मुकाबले का नतीजा कुछ और हो सकता था। दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने 135 रन का लक्ष्य देने के बाद भारतीय बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया था। एक समय टीम इंडिया के सात विकेट 113 रन पर गिर चुके थे और कीवी टीम जीत के बेहद करीब नजर आ रही थी, लेकिन बारिश ने पूरा खेल बदल दिया। अंत में डीएलएस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया।

मुश्किल पिच पर भारतीय गेंदबाजों ने किया परेशान- मैच के बाद सेंटनर ने स्वीकार किया कि पिच बल्लेबाजी के लिए बेहद मुश्किल थी। उन्होंने कहा कि विकेट काफी पेचीदा था और भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को दबाव में रखा। शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। हालांकि, पिच पर गेंदबाजों को मिल रही मदद को देखते हुए कीवी टीम को उम्मीद थी कि कम स्कोर के बावजूद मुकाबले में वापसी की जा सकती है।



सात विकेट गिराकर जीत के करीब पहुंची थी कीवी टीम

135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम 26 ओवर में सात विकेट खोकर 113 रन ही बना सकी थी। उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। इस स्थिति में न्यूजीलैंड की जीत लगभग तय दिखाई देने लगी थी। कीवी गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए जिस तरह दबाव बनाया, उससे भारतीय खेमे में भी चिंता बढ़ गई थी।

बारिश ने बिगाड़ा न्यूजीलैंड का जीत का खेल- जब मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंचा, तभी तेज बारिश शुरू हो गई। खेल दोबारा शुरू कराने के लिए काफी इंतजार किया गया, लेकिन मौसम ने साथ नहीं दिया। आखिरकार डीएलएस नियम के आधार पर भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। इस फैसले ने न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

160-180 रन होते तो मुकाबला और कड़ा होता

सेंटनर ने कहा कि इतने छोटे लक्ष्य का बचाव करने के लिए शुरुआती विकेट लेना जरूरी था और उनके गेंदबाजों ने यह काम बखूबी किया। हालांकि, बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। उनके मुताबिक, टीम अगर 30-40 रन और जोड़ने में सफल रहती तो भारत पर दबाव और बढ़ाया जा सकता था। लगातार दो हार के बाद अब न्यूजीलैंड के सामने सीरीज बचाने की चुनौती है। भारतीय टीम 2-0 की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंच गई है।

64 टेस्ट में 229 विकेट, छह बार पांच विकेट लेने का कारनामा

मोहम्मद शमी के पांच खौफनाक स्पेल जिन्होंने दुनिया पर किया राज, रिकॉर्ड रहा है बेमिसाल

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के तेज गेंदबाजी इतिहास में मोहम्मद शमी का नाम हमेशा सुनहरे अक्षरों में दर्ज रहेगा। अपनी धारदार गेंदों, सटीक लाइन-लेंथ और घातक रिवर्स स्विंग से दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर करने वाले शमी ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। उनके संन्यास के साथ भारतीय क्रिकेट का एक ऐसा अध्याय समाप्त हो गया, जिसमें रफ्तार के साथ गेंद को दोनों तरफ घुमाने की अद्भुत कला देखने को मिली। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मुकाबलों में 27.71 की औसत से 229 विकेट हासिल किए। इस दौरान उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। उनके करियर के कई ऐसे स्पेल रहे, जिन्होंने विरोधी टीमों की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। आइए जानते हैं शमी के पांच सबसे यादगार प्रदर्शन।

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया पर बरपाया कहर- शमी की घातक गेंदबाजी का सबसे शानदार उदाहरण पर्थ टेस्ट में देखने को मिला। पहली पारी में 24 ओवर गेंदबाजी करने के बावजूद उन्हें कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने पूरी तस्वीर बदल दी। ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछालभरी पिच पर शमी ने अपनी रफ्तार और उछाल से बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। उस्मान ख्वाजा, टिम पेन और एरॉन फिंच जैसे बल्लेबाज उनके सामने टिक नहीं सके। उन्होंने 56 रन देकर छह विकेट झटके। यह उनके टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।



ईडन गार्डन्स में डेब्यू से ही मचाया तहलका| कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शमी ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ही धमाकेदार अंदाज में की थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू मुकाबले में उन्होंने अपनी रिवर्स स्विंग से कैरेबियाई बल्लेबाजों को परेशान कर दिया। मैच में कुल नौ विकेट लेकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खास बात यह रही कि छह बल्लेबाजों को उन्होंने बोल्ड किया। शुरुआती मुकाबले में ही शमी ने बता दिया था कि भारतीय टीम को एक ऐसा तेज गेंदबाज मिल गया है, जो किसी भी पिच पर बल्लेबाजों के लिए खतरा बन सकता है।

विशाखापट्टनम में दक्षिण अफ्रीका की उड़ाई धज्जियां| 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापट्टनम टेस्ट में शमी ने दूसरी पारी में अपनी असली ताकत दिखाई। पहली पारी में बल्लेबाजों के दबदबे वाली सपाट पिच पर उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। लेकिन दूसरी पारी में 394 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ उन्होंने कहर बरपा दिया। शमी ने 35 रन देकर पांच विकेट झटके। टेम्बा बावुमा, फाफ डुप्लेसिस और क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज उनकी गेंदों पर बोल्ड हुए। भारत ने यह मुकाबला 203 रन से जीता।

वांडरर्स में बाउंसर और यॉर्कर से किया शिकार| जोहान्सबर्ग के वांडरर्स मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शमी का प्रदर्शन भी बेहद यादगार रहा। दूसरी पारी में उन्होंने अपनी तेज रफ्तार, बाउंसर और सटीक यॉर्कर से मेजबान बल्लेबाजों को परेशान किया। एडन मार्करम, वर्नन फिलैंडर और मोर्ने मोर्कल उनके शिकार बने। मोर्ने मोर्कल को जिस शानदार यॉर्कर पर शमी ने बोल्ड किया, वह उनके करियर की यादगार गेंदों में शामिल रही। इस पांच विकेट वाले प्रदर्शन की बदौलत भारत ने मुकाबला 63 रन से अपने नाम किया।

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका को किया पस्त| दक्षिण अफ्रीका की धरती पर शमी का प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा। सेंचुरियन टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 44 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और दक्षिण अफ्रीका को 197 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। पूरे मुकाबले में उनके खाते में आठ विकेट आए। उनकी घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने सेंचुरियन में 113 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

रफ्तार, स्विंग और सटीक निशाने का यह संगम ही मोहम्मद शमी की पहचान रहा। उन्होंने साबित किया कि तेज गेंदबाजी सिर्फ गति का खेल नहीं, बल्कि धैर्य, कौशल और सही समय पर सही गेंद डालने की कला भी है। यही वजह है कि टेस्ट क्रिकेट से विदाई के बाद भी उनके ये प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की यादों में लंबे समय तक जिंदा रहेंगे।

आईपीएल 2027

नीलामी से पहले बड़ा बदलाव, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप की मुंबई में एंट्री!



नई दिल्ली। आईपीएल के आगामी सीजन से पहले एक बड़े ट्रेड की खबर सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बन गए हैं। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली पर सहमति बन गई है। आईपीएल नीलामी से पहले इस ट्रेड को पूरा कर लिया गया है।

समाचार एजेंसी ने बताया कि आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि की है। सूत्र के मुताबिक, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में खेलने को लेकर खुश हैं। माना जा रहा है कि श्रेयस आगामी सीजन में भी टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। सूत्र ने बताया कि हार्दिक को टीम में शामिल करने का फैसला पंजाब किंग्स के कप्तान और कोच ने मिलकर लिया है। वहीं, अर्शदीप सिंह लंबे समय से पंजाब की टीम का हिस्सा रहे हैं और फ्रेंचाइजी के साथ रहते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मालिकों के लिए उन्हें रिलीज करने का फैसला आसान नहीं था। हालांकि, कप्तान और कोच ने इस ट्रेड को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक का दूसरा कार्यकाल खत्म- हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। वह 2024 सीजन से पहले गुजरात टाइटंस को छोड़कर मुंबई इंडियंस में लौटे थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी थी और लंबे समय तक टीम की कमान संभालने वाले रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान बनाया गया था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

ओम: चैप्टर 1 को लेकर बढ़ा उत्साह

साई पल्लवी बनेंगी IPS अफसर, नित्या रेड्डी धनुष-ममूटी के साथ करेंगी धमाकेदार एक्शन

मुंबई। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही बड़े पर्दे पर एक नए और दमदार अवतार में नजर आने वाली हैं। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म ओम: चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड में साई पल्लवी आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। फिल्म में उनका किरदार नित्या रेड्डी एक सख्त और निडर पुलिस अधिकारी का है, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करने के मिशन पर निकलती है। फिल्म में धनुष और ममूटी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।



साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में साई पल्लवी ने अपने किरदार और निर्देशक राजकुमार पेरियासामी के साथ काम करने के अनुभव साझा किए। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें निर्देशक के काम करने का अंदाज बेहद पसंद है। उन्होंने पिछली फिल्म के दौरान ही राजकुमार से उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर कर दी थी। साई पल्लवी ने बताया कि निर्देशक ने उनकी बात को गंभीरता से लिया और इस फिल्म में उन्हें एक दमदार पुलिस अधिकारी का किरदार दिया।

उन्होंने कहा, मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। उनके साथ काम करना शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है।÷ साई पल्लवी ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह वह महिलाओं के किरदारों को गहराई और मजबूती के साथ लिखते हैं, वह हर अभिनेत्री के लिए सपने जैसा है। फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए साई पल्लवी ने अपनी पिछली फिल्म अमरन का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस फिल्म में उनके किरदार को पूरे समय ममूटी कहकर पुकारा जाता था।

लाल चंदन तस्करी के खिलाफ होगा ऑपरेशन ओम

फिल्म में साई पल्लवी नित्या रेड्डी नाम की आईपीएस/सीबीआई अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। कहानी लाल चंदन की अवैध तस्करी और उससे जुड़े आपराधिक नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इस पूरे नेटवर्क की जांच के लिए ऑपरेशन ओम शुरू करती हैं। इस मिशन के पीछे उनका एक व्यक्तिगत नुकसान भी जुड़ा है, जो उन्हें न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित करता है।

सैयामी खेर की इस बार सेट पर मनेगी दीपावली, बोलीं- शूटिंग ही मेरा दूसरा परिवार, माता-पिता को होगा गर्व

मुंबई। अभिनेत्री सैयामी खेर इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह जल्द ही निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव की एक अनटाइटल्ड इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस बीच दीपावली के त्योहार को लेकर अभिनेत्री ने अपने खास अनुभव साझा किए हैं। सैयामी का कहना है कि इस बार शूटिंग शेड्यूल के चलते उनका त्योहार काम करते हुए बीतेगा, लेकिन उन्हें सेट पर रहना भी अच्छा लगता है। वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को दूसरी फैमिली मानती हैं।

मीडिया से बातचीत में सैयामी खेर ने बताया कि उनके लिए दीपावली का सबसे खास हिस्सा परिवार के साथ समय बिताना है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से उनका परिवार दीपावली के मौके पर कहीं घूमने जाने या एक साथ क्वालिटी टाइम बिताने की परंपरा निभा रहा है। अभिनेत्री के मुताबिक, त्योहार के दौरान परिवार के साथ बिताए गए पल उनके लिए बेहद खास होते हैं और पूरे परिवार को इस समय का बेसब्री से इंतजार रहता है।



इस साल दीपावली की योजनाओं के बारे में बात करते हुए सैयामी ने बताया कि व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के कारण वह परिवार के साथ पूरा समय नहीं बिता पाएंगी। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि सेट पर काम करने वाले साथियों के साथ त्योहार मनाने के लिए कुछ समय जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा, कभी-कभी त्योहार काम के साथ ही आ जाते हैं और आप जितना समय मिलता है, उसका बेहतर इस्तेमाल करना सीख जाते हैं। इस साल मेरी दीपावली काम वाली है, लेकिन मुझे सेट पर रहना सच में अच्छा लगता है। ये घर से दूर मेरी दूसरी फैमिली है। उम्मीद है, हमें एक साथ जश्न मनाने के लिए थोड़ा समय मिल जाएगा।



मेट्रो बाजार

कर्ज के बोझ तले और दबा पाकिस्तान, 2025 में चीन ने बढ़ाई 2 अरब डॉलर के कर्ज की अवधि

नई दिल्ली। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2025 में जहां चीन ने पाकिस्तान को दिए गए 2 अरब डॉलर के कर्ज की भुगतान अवधि बढ़ाई, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने देश की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता मजबूत करने के लिए विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) और लचीलापन एवं स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत 2.3 अरब डॉलर की नई वित्तीय सहायता दी। बैंकॉक स्थित पेज 3 न्यूज की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान पर बढ़ता कर्ज ऐसे समय में चिंता का विषय है, जब निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) का बाहरी कर्ज भी तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में इन देशों का कुल बाहरी कर्ज बढ़कर रिकॉर्ड 9.4 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों का बाहरी कर्ज 5.5 प्रतिशत बढ़ा। यह पिछले चार वर्षों में सबसे बड़ी सालाना वृद्धि है। इसके पीछे बॉन्ड जारी करने में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में निवेशकों का दोबारा भरोसा बढ़ना प्रमुख कारण रहे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निजी पूंजी की वापसी की इन देशों को बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। विशेष रूप से दुनिया के सबसे गरीब देशों के लिए कर्ज लेना पिछले कई दशकों में सबसे महंगा हो गया है।

एसबीआई ने टेक्सास में खोली पहली एसबीआईसी बैंक शाखा, अमेरिका में बढ़ाई अपनी मौजूदगी

नई दिल्ली । भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अमेरिका में अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए टेक्सास के नॉर्थ डलास स्थित फ्रिस्को में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसबीआईसी बैंक की नई शाखा का उद्घाटन किया है। बैंक के अनुसार, यह कैलिफोर्निया के बाहर एसबीआईसी बैंक की पहली शाखा है। इस नई शाखा का उद्घाटन एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने किया। इसके साथ ही अमेरिका में एसबीआईसी बैंक की शाखाओं की संख्या बढ़कर सात से आठ हो गई है। बैंक ने कहा कि यह विस्तार अमेरिका जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने और डलास क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों, पेशेवरों, उद्यमियों और व्यवसायों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से किया गया है। नई शाखा व्यक्तिगत और व्यावसायिक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगी। इनमें खुदरा जमा (रिटेल डिपॉजिट), वाणिज्यिक ऋण , भारत तथा अन्य देशों को धन प्रेषण (रेमिटेंस) और



अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए विशेष बैंकिंग सेवाएं शामिल होंगी। इस अवसर पर चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने कहा, टेक्सास शाखा का उद्घाटन एसबीआई की अंतरराष्ट्रीय विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।उन्होंने आगे कहा कि कैलिफोर्निया से बाहर विस्तार बैंक की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिसके तहत वह प्रमुख वैश्विक बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने, स्थानीय समुदायों और भारतीय प्रवासी समाज की सेवा करने तथा व्यक्तियों एवं कारोबारों की बैंकिंग आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए प्रयासरत है।

देशभर में बदला मौसम: दिल्ली में बढ़ा प्रदूषण, एक्यूआई 421..दो दिन बाद पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार

यूपी के 15 शहरों में कोहरा, तमिलनाडु में भारी बारिश



राजस्थान के अजमेर शहर में सुबह के समय आसमान पर धुंध और स्मॉग की परत छाई रही।



नई दिल्ली की आबोहवा इस कदर खराब हो गई है कि आज राष्ट्रपति भवन का कुछ ही हिस्सा दिखाई दिया। बाकी सब धुंध में ढंका नजर आया।



जम्मू-श्रीनगर रूट पर कम विजिबिलिटी के बीच वंदे भारत।

नई दिल्ली। एजेंसी

देशभर में मौसम का मिजाज अब बदलने लगा है। कई राज्यों में जहां गुलाबी ठंड का दौर शुरू हो गया है। वहीं, उत्तरप्रदेश में ठंड बढ़ गई है। आज दिवाली की सुबह लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर समेत 10 शहरों में धुंध छाई रही। श्रावस्ती, देवरिया, महराजगंज, बिजनौर, गोंडा और संभल समेत 15 शहर कोहरे की चपेट में रहे। आलम यह रहा कि कई जगह विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर रह गई। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। वहीं, तमिलनाडु में रविवार को चेन्नई, आसपास के इलाकों और डेल्टा जिलों में सुबह से भारी बारिश हो रही है। इसके बावजूद लोगों में दीपावली का उत्साह जोरों पर है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में दो दिन बाद बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे देश के बाकी हिस्सों में सर्दी बढ़ने और तापमान में गिरावट हो सकती है। इधर, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। एम्स के आसपास एक्यूआई 421 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक यह गंभीर श्रेणी में है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अब देशभर में ठंड बढ़ती जाएगी।

इसलिए बदला मौसम

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अलग-अलग सिस्टम के कारण मौसम में बदलाव हो रहे हैं। उत्तर-पूर्वी चक्रवाती सिस्टम के सक्रिय होने और बंगाल की खाड़ी व अरब सागर में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण राज्यों में तेज हवा के साथ ठंड बढ़ रही है। वहीं, उत्तर और मध्य भारत में शुष्क मौसम व प्रदूषण (पूर्वी हवाओं का प्रभाव) भी मौसम बदल रहा है। इससे दिल्ली, एनसीआर, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश और राजस्थान में धुंध और कोहरा बढ़ रहा है। यह दो दिन में और तेज होगा।

अगले दो दिन यहां चलेगी तेज हवा, अब रात के साथ दिन के तापमान में भी गिरावट

राजस्थान में सर्दी के लिए अभी करना होगा इंतजार

सीकर, माउंट आबू में सबसे ठंडी रात, बाड़मेर में 37 डिग्री से ऊपर पारा। यहां लोगों को लोगों को सर्दी के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह के बाद सर्दी जोर पकड़ने का अनुमान है। 15 नवंबर बाद हवा का पैटर्न बदलेगा और उत्तरी हवा मैदानी राज्यों में आने से पश्चिमी राजस्थान में पारा गिरने से सर्दी बढ़ेगी। अभी मौसम साफ रहेगा।

9 नवंबर: आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी में बारिश का यलो अलर्ट है। रायलसीमा-आंध्र प्रदेश में तेज हवाएं चलेंगी।

10 नवंबर: जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और केरलम में बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेश: भोपाल-इंदौर समेत 14 शहरों में पारा 15° से कम

मध्यप्रदेश के शहरों में रात में ठंड और सुबह धुंध छा रही है। भोपाल, इंदौर में भी न्यूनतम तापमान कम हुआ है। कल रात 14 शहरों में पारा 14° से कम रहा।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन में 3 डिग्री गिरेगा पारा, रायपुर में बढ़ी ठंड

छत्तीसगढ़ में रात के तापमान में गिरावट होगी। अगले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। इससे रात और सुबह में ठंड बढ़ेगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

यूपी: लखनऊ-कानपुर में धुंध, हवा खराब एक्यूआई 300 पार यूपी में ठंड बढ़ गई है। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर समेत 10 शहरों में धुंध छाई रही। हवा में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचा।

हरियाणा: बल्लभगढ़ देश में सबसे प्रदूषित, सिरसा दूसरे-गुरुग्राम तीसरे नंबर पर हरियाणा में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

उत्तराखंड: आज राज्य में बारिश और बर्फबारी संभव। देहरादून, उत्तरकाशी समेत 5 जिलों में अलर्ट।

न्यूज विंडो

कचरे से खूबसूरत कलाकृतियां बना रहे बिहार के सोनू



पटना. एजेंसी। कचरे से कलाकृति और हुनर से कमाई। भागलपुर के सोनू कुमार ने बेकार समझी जाने वाली चीजों को अपनी रचनात्मकता से खास पहचान दी है। आज उनकी कला न केवल स्वच्छता का संदेश दे रही है, बल्कि अच्छी आमदनी का जरिया भी बन गई है। मक्के के छिलके, सूखे पत्ते, फूल, लोहे के कबाड़ और प्लास्टिक जैसी अनुपयोगी सामग्रियों का उपयोग करते हैं। इससे आकर्षक कलाकृतियां बनाने वाले सोनू सालाना दो से तीन लाख रुपए कमा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत राज्य में स्वच्छता की पहल अब कचरा संग्रहण और निस्तारण से आगे बढ़कर उसके रचनात्मक उपयोग तक पहुंच रही है। उनकी कला बताती है कि जिसे लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, उसका भी रचनात्मक इस्तेमाल किया जा सकता है। वे केवल लोहे के कबाड़ और प्लास्टिक से ही कलाकृतियां नहीं बनाते, प्रकृति से जुड़ी अनुपयोगी वस्तुओं को भी कला का हिस्सा बनाते हैं।

सिएटल में दिवाली समारोह में हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी



वॉशिंगटन. एजेंसी। अमेरिका में दिवाली समारोह के दौरान हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का मामला सामने आया है। वॉशिंगटन के सिएटल में दक्षिणपंथी अमेरिकी कार्यकर्ता जैक लैंग ने शनिवार को दिवाली समारोह में बाधा डालने की कोशिश की। इस दौरान उसके साथ मौजूद प्रदर्शनकारियों के हाथों में हिंदुओं के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लिखे पोस्टर थे। हालांकि, समारोह में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें रोक दिया। इस घटना के बाद जैक लैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदू समुदाय को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। उसने आरोप लगाया कि हिंदुओं की वजह से टेक्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक फायदा हुआ है। सोशल मीडिया पर पोस्ट में हिंदुओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और टेक्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी सफलता के लिए भारतीय मूल के लोगों को जिम्मेदार ठहराया। जैक लैंग का नाम 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन कैपिटल में हुई हिंसा से जुड़े मामलों में सामने आया था।

यमन में फिर जंग तेज, 13 बच्चे भी मारे गए

सऊदी अरब के सना में हवाई हमलों से तबाही, 33 मौतें

यमन। एजेंसी

यमन के सना प्रांत में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाई हमलों में 33 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 13 बच्चे और आठ महिलाएं शामिल हैं। हूती अधिकारियों ने आज यह दावा किया। हमलों में 39 लोग घायल भी हुए हैं। देश में फिर से शुरू हुए गृहयुद्ध के बीच मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, यमन में संघर्ष दोबारा शुरू होने के बाद से अब तक 1,600 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। हताहतों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे

हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-असबाही ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन की राजधानी सना के पूर्व में स्थित अल-शरिया गांव को निशाना बनाया। हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है, 39 घायल हैं।

हूती समाचार एजेंसी सबा ने शनिवार को बताया था कि हमले के बाद मलबे में दबे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि 'विमानों ने दो बार हमले कर राहत एवं बचावकर्मियों को भी निशाना बनाया।' अल-असबाही ने कहा, 'लगभग अंतिम आंकड़ों के अनुसार, मृतकों में 12 पुरुष, आठ महिलाएं और 13 बच्चे शामिल हैं। वहीं, घायलों में 16 पुरुष, 10 महिलाएं और 13 बच्चे हैं।



सऊदी अरब ने नहीं की कोई टिप्पणी

ईरान समर्थित हूती संगठन के अल-मसीरा टीवी ने हमले से जुड़ा एक वीडियो भी प्रसारित किया। चैनल के मुताबिक, यह वीडियो अल-शरिया गांव में बनाया गया था। इसमें हमले वाली जगह से धुआं उठता दिखाई दे रहा है। आसपास मलबे के ढेर और अस्पताल में भर्ती घायल लोग भी नजर आ रहे हैं। यमन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में लड़ रहे सऊदी अरब ने इन हवाई हमलों से जुड़ी रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले भी

हूतियों ने दावा किया कि उन्होंने सऊदी अरब और यमन में सऊदी सैनिकों तथा सैन्य और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाकर कई मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि संगठन ने छह सैन्य अभियान चलाए। इनमें सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको की सुविधाओं, रियाद एयरपोर्ट और सीमा के दोनों ओर स्थित सऊदी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इससे पहले शुक्रवार को ताइज में बाजार पर हमले में 30 लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति का फाइटिंग कंपनी चीफ को प्रवक्ता बनने का ऑफर

ट्रंप ने कहा-अपने फाइटर्स साथ लेकर आना जो पागल लेफ्ट से हमारी रक्षा कर सके

वॉशिंगटन। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दोस्त और यूएफसी (अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप) के प्रमुख डाना व्हाइट को व्हाइट हाउस का प्रेस सेक्रेटरी बनने का ऑफर दिया है। ट्रंप ने डाना व्हाइट से कहा कि वे अपने साथ कुछ यूएफसी फाइटर्स को भी असिस्टेंट बनाकर ला सकते हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें इन लोगों की जरूरत है, ताकि वे पागल लेफ्ट से हमारी रक्षा कर सकें।'

डाना व्हाइट लंदन में एक बॉक्सिंग इवेंट में शामिल होने पहुंचे थे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे ट्रंप के ऑफर के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि वह लंदन से सीधे वॉशिंगटन जाएंगे और सोमवार को राष्ट्रपति से मिलेंगे।

ट्रम्प और डाना व्हाइट की दोस्ती काफी पुरानी है। राजनीति में आने से पहले भी ट्रम्प ने एफसी का साथ दिया था। उन्होंने अपने होटल और दूसरी संपत्तियों में एफसी के फाइटिंग इवेंट कराने की इजाजत दी थी। तब इस खेल की काफी आलोचना होती थी। और कई लोग इसे हिंसक मानते थे। डाना कई मौकों पर खुलकर ट्रंप के समर्थन में बोलते रहे।



कई मुकाबलों में दिखे ट्रंप

जनवरी 2025 में दूसरी बार राष्ट्रपति बनने पर ट्रंप कई यूएफसी मुकाबलों में डाना के साथ नजर आ चुके हैं। जून में ट्रम्प ने 80वें बर्थडे पर डाना व यूएफसी को व्हाइट हाउस बुलाया था।

जापान में 5.7 तीव्रता का भूकंप, 22 जख्मी, इस यह माह तीसरी बार

टोक्यो. एजेंसी। जापान में कल देर रात 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 22 लोग घायल हो गए। कई दुकानों के शीशे टूट गए। भूकंप के तेज झटकों से लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर भागने लगे। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप का केंद्र शिजुओका प्रांत में जमीन के 40 किमी नीचे था, जबकि सबसे तेज झटके आइची प्रांत में महसूस किए गए। यह माह यह तीसरा तेज भूकंप है। इससे 1 नवंबर को 6 तीव्रता और 7 नवंबर को 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

जेल जाएंगे 'रामायण' को लीक करने वाले, अवैध रिकॉर्डिंग पर मेकर्स सख्त

नई दिल्ली। एजेंसी

आजकल फिल्म की रिलीज के साथ ही इसे ऑनलाइन लीक कर दिया जाता है। सोशल मीडिया पर उसके थिएटर्स रिकॉर्डिंग क्लिप्स वायरल होते रहते हैं। इस मामले का नया शिकार फिल्म रामायणम् बनी है। बॉम्बे हाई कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद भी इस मूवी को धड़ल्ले पाइरेसी वेब साइट और सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइट्स पर परोसा जा रहा है। मामले को लेकर अब रामायणम् के मेकर्स ने लीगल नोटिस लेने की चेतावनी दी है। फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर लीगल नोटिस शेयर करते हुए लिखा कि निर्माता नमित मल्होत्रा की रामायणम् की बिना अनुमति वाली फुटेज सिनेमाघरों के अंदर रिकॉर्ड की जा रही है और सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर फैलाई जा रही है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2 नवंबर 2026 और 6 नवंबर 2026 के ऑर्डर में बिना इजाजत के फिल्म या उसके किसी भी हिस्से को रिकॉर्ड, अपलोड और शेयर करने पर रोक लगाई। यह अपराध है। ऐसे पोस्ट शेयर न करें।

मेट्रो एंकर — **उत्तराखंड के अल्मोड़ा के युवक की पहल से बदल रही पहाड़ों की तस्वीर**

पहाड़ का प्रेम खींच लाया, कंपनी खोलकर 400 युवाओं को दिया रोजगार

देहरादून। एजेंसी

बेहतर भविष्य की तलाश में पहाड़ से निकले महेंद्र बिष्ट कामयाबी हासिल करने के बाद अपनी जड़ों की ओर लौट आए। उन्होंने उत्तराखंड के तीन जिलों में पांच बैकएंड ऑफिस खोले हैं, जहां 400 से अधिक युवाओं को रोजगार मिल रहा है। खास बात यह है कि 12वीं पास युवा भी डेटा एंट्री और कॉल सेंटर जैसे कामों से जुड़कर अपने घर के पास नौकरी कर पा रहे हैं। अल्मोड़ा के बिष्ट पलायन रोकने की कवायद कर रहे हैं।

महेंद्र ने की मानें तो उन्होंने नोएडा में एक चैनल से कॅरिअर की शुरुआत की थी। बहुत संघर्ष किया। पहाड़ की याद आती रही। धीरे-धीरे अपने मित्र डी. विजयन के साथ मिलकर उन्होंने एडमास बैकेंड सर्विस नाम की कंपनी बनाई, जिसने अलग-अलग राज्यों में काम शुरू किया। आज उनकी कंपनी से देशभर में 1600 से अधिक युवा रोजगार पा रहे हैं।



पहाड़ लौटकर खोले 5 कार्यालय

महेंद्र बिष्ट ने बताया, पहाड़ के प्रति लगाव उन्हें वापस अल्मोड़ा ले आया। उन्होंने उत्तराखंड के अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों में कंपनी के पांच कार्यालय खोले। इन कार्यालयों के जरिए स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। जिससे उन्हें नौकरी के लिए दूसरे शहरों में जाने की मजबूरी कम हो सकती है।

डिजिटल कनेक्टिविटी बनी बड़ी चुनौती

महेंद्र ने बताया कि पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों में तकनीकी रोजगार का विस्तार करते समय कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें डिजिटल कनेक्टिविटी, इंटरनेट की उपलब्धता और लीज लाइन जैसी आधारभूत सुविधाएं प्रमुख हैं। कई दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर इंटरनेट सुविधा नहीं होने से तकनीकी कार्यों का विस्तार प्रभावित होता है। कहा कि इसके बावजूद स्थानीय युवाओं को तकनीकी कार्यों से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी है। यदि पर्वतीय क्षेत्रों में लीज लाइन जैसी सुविधाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध हो जाएं, तो रोजगार से जुड़ी इस पहल को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

डेटा एंट्री और कॉल सेंटर के काम से जुड़ रहे युवा

महेंद्र की कंपनी के पास अमेरिका की एक कंपनी का डेटा एंट्री से संबंधित काम है। इसके अलावा कई कंपनियों के कॉल सेंटर का काम भी किया जाता है। युवाओं की स्किल और क्षमता के हिसाब से उन्हें संबंधित जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। इन कार्यों के लिए हर युवा को बड़े शहरों में जाकर नौकरी करने की जरूरत नहीं है। कंपनी के स्थानीय कार्यालयों के माध्यम से युवाओं को अपने क्षेत्र के नजदीक ही रोजगार मिल रहा है। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार के नए विकल्प विकसित करने और पलायन की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार

यह पहल यह दिखाती है कि तकनीकी और बैकएंड सेवाओं से जुड़े कार्यों को पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचाकर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार किए जा सकते हैं। घर के नजदीक नौकरी मिलने से युवाओं को अपने परिवार और क्षेत्र से जुड़े रहने का अवसर भी मिलता है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को दूसरे शहरों की ओर जाना पड़ता है। स्थानीय स्तर पर कार्यालय स्थापित कर डेटा एंट्री व कॉल सेंटर जैसे कार्य उपलब्ध कराना रोजगार के वैकल्पिक मॉडल बन रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524